ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 363 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 जून 2024 मंगलवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

हरियाली की जीत...2

मुख्यमंत्री ने किया स्कूल चले हम अभियान-2024 की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने कहा-सरकारी स्कूल के छात्र भी छूते हैं ऊंचाईयां,मैं भी...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में आज से स्कूल चलें हम अभियान की समारोहपूर्वक शुरूआत हो गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को दुलार कर व भेंट प्रदान कर उनका स्वागत किया । इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं भी सरकारी स्कूल से पढकर निकला हूं, सरकारी स्कूल से निकले विद्यार्थी भी नई ऊंचाइयों को छूते हैं। अलबत्ता सीएम राइज स्कूलों कीतरह सरकारी स्कूलों में भी सभी जरूरी व्यवस्था होना चाहिये। यादव ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उपलब्धियां अर्जित करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह, स्कूल शिक्षा मंत्री, उदय प्रताप सिंह, मंत्री विश्वास सारंग, मंत्री कृष्णा गौर, भोपाल मेयर मालती राय, पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

हर स्कूल और मदरसे में होना चाहिए राष्ट्रगान

इस मौ पर जनजातीय मंत्री विजय शाह ने कहा कि पहले से 12वीं तक के सभी स्कूलों में जनगणमन का गायन होना चाहिए। साथ ही मदरसों में भी राष्ट्रगान होना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकारी स्कूल में जनप्रतिनिधि और अधिकारी जाकर विद्यार्थियों को प्रेरित करें। उन्हें करियर की दिशा दिखाएं।

भविष्य से भेंट

20 जून को प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं में जनसमुदाय की सहभागिता में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्ति, स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति आदि प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंटकर विद्यार्थियों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

तीन दिन चलेगा उत्सव

आज से प्रदेशभर की शासकीय शालाओं में भी 'प्रवेशोत्सव' के आयोजन किए जा रहे हैं। सांसद, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों का स्वागत कर रहे हैं। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान ग्राम/बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया गया। प्रवेशोत्सव के दिन शालाओं में विशेष भोजन का वितरण भी किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा। इस अभियान के दूसरे दिन समस्त विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही निश्शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा।

बुधनी में चुनाव का रास्ता साफ, रावत-सप्रे फिर रुके

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद अब विधायक रामनिवास रावत और निर्मला सप्रे के इस्तीफे को लेकर सस्पेंस बन रहा है। शिवराज ने विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह को अपना इस्तीफा सौंपा और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से बात भी की। अब आज त्यागपत्र स्वीकार कर बुधनी विधानसभा सीट रिक्त घोषित कर दी जाएगी। जिसके बाद यहां उप चुनाव कराए जाएंगे। उधर कांग्रेस से पाला बदल चुके रावत व सप्रे को लेकर कल भी भाजपा की मंथन बैठक में चर्चा हुई है। माना जा रहा है रावत की वरिष्ठता को देखते हुए सरकार उन्हें किसी पद से भी नवाज सकती है।

वाराणसी से किसान सम्मान निधि जारी कर रहे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करेंगे। सिंगल क्लिक के जरिए 9.3 करोड़ किसानों के बैंक खाते में दो-दो हजार रुपये डाले जाएंगे। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार किसानों को यह राशि ट्रांसफर की जाएगी। इससे पहले 28 फरवरी को सम्मान निधि की राशि डाली गई थी। साल 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत किसानों को प्रतिवर्ष तीन अलग-अलग किश्तों में 6 हजार रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं। पहली किस्त अप्रैल से जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त से नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर से मार्च के बीच किसानों के खाते में डाली जाती है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ईमेल से बम की धमकी

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली हवाई अड्डा पर दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की सूचना से हडकंप मच गया। सुबह 9.35 आईजीआई एयरपोर्ट के डायल कार्यालय में एक ईमेल भेजकर दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई थी। सूचना के बाद एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया। सुरक्षा एजेंसी और बम निरोधक दस्ता ने विमान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस मामला दर्ज कर मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुट गई है।

कंचनजंगा पहुंची सियालदाह ट्रेन,लोगों के छलके आंसू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास कल दुर्घटनाग्रस्त हुई कंचनजंगा एक्सप्रेस मरम्मत कार्य पूरा होने के मंगलवार तड़के सियालदह रेलवे स्टेशन पर पहुंची। अपनों को देखते ही स्टेशन पर इंतजार कर रहे लोगों की आंखों से आंसू छलक उठे। वहीं, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने ट्रेन यात्रियों से बातचीत कर उनका हाल जाना और घटना के बारे में जानकारी ली। बता दें कि जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन में सोमवार को पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी थी। रंगापानी और निजबाड़ी के पास हुए इस हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थीं। हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 से अधिक लोग घायल हो गए। हालांकि, रेल मंत्रालय की ओर से जारी बयान में मृतकों की संख्या आठ और घायलों की संख्या 25 बताई गई है।

सेंसेक्स 190 अंक चढ़ा, निफ्टी पहली बार 23500 के पार

शेयर बाजार का मंगल, फिर हाई

नई दिल्ली , एजेंसी।

शेयर बाजार नेआज मंगलवार को फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार पर पहुंचा । सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 226.62 अंकों की बढ़त के साथ 77,244.17 के स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में यह 77,326.80 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 78.91 (0.34त्न) अंकों की बढ़त के साथ 23,544.50 पर कारोबार करता दिखा। बाजार खुलने के बाद यह 23,573.85 के अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा।

डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया

घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.48 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा, हालांकि विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने उसे समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.52 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.48 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दर्शाता है।

सुप्रीम कोर्ट की हिदायत सुधार करे एनटीए

0.01 फीसदी लापरवाही भी हुई है तो एनटीए इसे स्वीकार करे

नई दिल्ली , एजेंसी।

नीट यूजी परीक्षा परिणाम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001त्न भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि बच्चों ने परीक्षा की तैयारी की है, हम उनकी मेहनत को नहीं भूल सकते। जरा कल्पना करें कि कोई डॉक्टर ऐसे व्यक्ति का इलाज कर रहा हो, जो इस तरह से गुजरा हो और जिसकी जांच की जरूरत हो।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से कहा कि वे नीट-यूजी के खिलाफ दायर याचिकाओं को विरोधात्मक मुकदमेबाजी के तौर पर न लें और अगर परीक्षा आयोजित करने में कोई गलती हुई है, तो उसे स्वीकार करें और उसमें सुधार करें। अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। उधर पटना में नीट पेपर लीक की जांच कर रही बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई टीम आज दिल्ली आ रही है। सूत्रों के अनुसार, जांच टीम ने एनटीए से नीट के ओरिजनल क्वेश्चन पर मांगे थे। टीम पटना से जले हुए मिले पेपर से क्वेश्चन पेपर से करेगी। इओयू की जांच टीम ने 21 मई को ही मूल प्रश्न पत्र मुहैया कराने को कहा था। लेकिन 28 दिन गुजर जाने के बावजूद अब तक मूल प्रश्न पत्र मुहैया नहीं कराया गया है। दरअसल, ईओयू ने कथित नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में अब तक चार परीक्षार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया है. डीआईजी ने कहा ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि सभी आरोपी बिहार के हैं।

मेट्रो एंकर

सीजेआई की सहयोगी ने उजागर किए व्यक्तित्व के अनछुए पहलु....

रेस्तरां के सामने लाइन में लगे जस्टिस चंद्रचूड़!

नई दिल्ली, एजेंसी।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपनी सादगी और संवेदनशीलता के लिए मशहूर हैं। उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट रहती है। वे दिखावा पसंद नहीं करते,उनके साथ काम कर चुकीं एडवोकेट मानसी चौधरी ने अपने ब्लॉग में उनसे जुड़े तमाम किस्से बयान किये हैं। यह किस्से जस्टिस चंद्रचूड़ के व्यक्तित्व के कई अन्य अनछुए पहलू उजागर करते हैं। मानसी ने लिखा है कि 'जब जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर पर आए तो मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। आखिरी दिन उन्होंने हम सबको पार्टी दी और बिग चिल रेस्टोरेंट ले गए।

'बिग चिल' दिल्ली के सबसे बिजी रेस्टोरेंट में से एक है और यहां हमेशा भीड़ लगी रहती है। कई बार टेबल के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। जस्टिस चंद्रचूड़ चाहते तो उनके ऑफिस से एक कॉल पर रेस्टोरेंट का पूरा फ्लोर बुक हो जाता, पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। आम आदमी की तरह हम लोगों को लेकर रेस्टोरेंट पहुंचे और लाइन में लगकर टेबल का इंतजार करने लगे।' मानसी लिखती हैं कि मैं अचंभित रह गई और उनसे पूछ लिया कि आप इतने बड़े पद पर होकर भी इतने विनम्र कैसे हैं? जस्टिस चंद्रचूड़ ने जवाब दिया, 'एक दिन यह सब कुछ चला जाएगाज्इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए'

जब गलत ब्रीफिंग पर रहे शांत

मानसी चौधरी लिखती है कि जस्टिस चंद्रचूड़ को अपने एक-एक कलीग का नाम और उसके बारे में हर डिटेल पता होती है. वह जब भी हम लोगों से मिलते थे, आगे से अभिवादन करते थे। उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट रहती है. बड़ी से बड़ी गलती पर भी जरा सा नाराज नहीं होते हैं। इसका एक उदाहरण भी दिया है। चौधरी लिखती हैं कि हम लोगों को हर दिन जस्टिस चंद्रचूड़ को अगले दिन के केस की फाइल के बारे में ब्रीफ करना होता था।. चूंकि सुप्रीम कोर्ट के जजों के पास सैकड़ों फाइलें होती हैं, इसलिए हम लोग उन्हें ब्रीफिंग दिया करते थे।एडवोकेट मानसी लिखती हैं कि एक दिन मैंने ब्रीफिंग के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ के सामने पूरी की पूरी फाइल गलत पढ़ दी। जब मुझे गलती का एहसास हुआ तो बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई, क्योंकि मैंने उनका टाइम खराब किया था। पर चंद्रचूड़ जरा सा नाराज नहीं हुए. बल्कि उन्होंने कहा कि यह कोई इतनी बड़ी बात नहीं है. इसी तरह से सीखते हैं। हम लोग साथ बैठकर फाइल फिर पढ़ेंगे। इसके बाद उन्होंने खुद पूरी फाइल पढ़ी और मुझे एक्सप्लेन किया। शायद ही इतने बड़े ओहदे पर बैठे शख्स के अंदर इतना धैर्य होता है। मानसी लिखती हैं कि मैंने हैदराबाद में वकीलों के साथ काम किया है, जो जरा जरा सी गलती पर फाइल मुंह पर फेंक दिया करते थे. दूसरी तरफ जस्टिस चंद्रचूड़ हैं, जो देश के सर्वोच्च अदालत के जज और बिजी रहते हुए अपना आपा नहीं खोते।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 363 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो सरोकार

भोपाल 18 जून 2024 मंगलवार

राजधानी के शहर होने का अहसास फिर पुख्ता

यूं तो राजधानियां आजकल शहर नहीं हुआ करतीं, लेकिन भोपाल के एक हिस्से ने जिस तरह 'शहर' होने का अहसास कराया है, वह इसकी मिसाल है कि आज भी लोगों के मन में पुरानी चिंताएं, चौपाल और मोहल्लेदारी जिंदा है। सरकार ने जैसे ही भोपाल के 'ग्रीन बेल्ट' तुलसीनगर व शिवाजीनगर में कांक्रीटीकरण का प्रस्ताव निरस्त किया तो लगा जैसे नए शहर को नई सांसे मिलीं। हालांकि इसके एक हिस्से तक स्मार्ट सिटी वाला आईडिया आकार ले चुका है, एक बडा हिस्सा लगातार खंडहर किया जा रहा है, ताकि किश्तों में कांक्रीटकरण की गुंजाइश निकलती रहे !

नजरिया

आशीष दुबे

वैसे तो, भोपाल की हरियाली को रोकने के प्रयास पहले नाकाम होते रहे हैं, जिसका नतीजा कोलार इलाका, कलियासोत, केरवा व तालाबों के किनारे हैं। ताजा विरोध की कामयाबी के बाद हर व्यक्ति संस्था की इस अनुष्ठान में सकारात्मक आहुति जरूरी हो गई है। सघन पौधरोपण और इसकी हिफाजत की जिम्मेदारी लेने वाले भी होने चाहिये। भोपाल के तालाब भी एक जिम्मेदारी हैं, कई तालाबों को अतिक्रमण लील रहा है। इनके आसपास सड़कों व होटलों बंगलों का दबाव बन रहा है और तालाब को भरने वाली 'नसें' कट रही हैं।

खास बात यह है कि स्मार्ट सिटी का विरोध स्वस्फूर्त बढा। स्थानीय तौर पर नेता इससे जुडे लेकिन तमाम चेतनाओं की बात करने वाले राजनीतिक दल मुख्यालय स्तर से इस अनुष्ठान से दूर दिखे। जागरूक विपक्ष का दावा करने वाली कांग्रेस इस पर प्रायःखामोश ही रही, भाजपा के सत्तारूढ होने की मजबूरी हावी रही। हालांकि अभाविप ने दो दिन पहले इस योजना को लेकर पूर्व सीएम शिवराज से शिकायत की। लेकिन जब वे कह रहे थे कि एक पेड़ भी नहीं कटने दूंगा तो भोपाल के गैमन इंडिया प्रोजेक्ट, नॉर्थ और साउथ टीटी नगर का स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के विरोध के चित्र उभर रहे है। बावजूद यह प्रसंग सरोकारों की तरफ लौटने की तरह है-सरकार के लिए, समाज के लिए और सभी के लिए।

नागरिकों का यह विरोध सरकार के लिए उस रोशनदान की तरह है, जहां से बदलते मौसमो का अंदाजा होता है। हिंदी कवि कुंवर नायारण की कविता वृक्ष की हत्या का एक अंश है- *'दरअसल, शुरू से ही था हमारे अंदेशों में कहीं एक जानी दुश्मन, कि घर को बचाना है लुटेरों से, शहर को बचाना है नादिरों से, नदियों को नाला हो जाने से, हवा को धुआँ हो जाने से, खाने को ज़हर हो जाने से बचाना है-जंगल को मरुस्थल हो जाने से और बचाना है-मनुष्य को जंगल हो जाने से।'*

पर्यावरण को सुरक्षित रखने तथा ग्लोवल वॉर्मिंग से शहर को बचाए रखने दोपहर मेट्रो भी लंबे समय से समाज की चिंता के साथ अपनी आवाज मिलाता रहा है।

स्मार्ट सिटी योजना निरस्त होने के बाद तुलसी व शिवाजी नगर में आतिशबाजी

सरकार के पीछे हटते ही सड़कों पर आकर मनाई गईं खुशियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के तुलसीनगर और शिवाजी नगर इलाके को फिर से बसाने यानि स्मार्ट सिटी में तब्दील करने की योजना खूंटी पर टांग दी गई है। इसके पीछे नागरिकों,समाजसेवी संगठनों का विरोध मुख्य माना जा रहा है। क्योंकि इस योजना की चपेट में करीब 29 हजार पेड़ भी आ रहे थे और इलाके का पूरा खुलापन बहुमंजिला इमारतों की चपेट में आने वाला था। सरकार ने राज्य सरकार के मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के लिए आवास बनाने की योजना के नाम पर इसे सिरे चढाने का दूसरा प्रयास किया था। इसके पहले वर्ष 2016 में भी ऐसे ही करारे विरोध के चलते तत्कालीन सरकार को योजना स्थगित करना पड़ी थी। इस बार आलम यह था कि पेड़ों को काटने के निर्णय के विरोध में लोग कई दिनों से चिपको आंदोलन चला रहे थे। महिलाओं ने ऐलान कर दिया था कि चाहें जान चली जाए लेकिन हरियाली नहीं उजड़ने देंगे। पेडों को रक्षा सूत्र बांधे जा रहे थे। कल देर शाम नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक्स पर लिखकर आवासीय योजना निरस्त करने की घोषणा की। इसके बाद देर शाम को मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (हाउसिंग बोर्ड) के आयुक्त ने प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर निर्देश के अनुसार, आवासीय योजना के प्रस्ताव को निरस्त करने का निर्णय लिए जाने का आदेश जारी कर दिया। हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त ने कहा कि अब अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। मंत्री ने अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के दिए निर्देश दिये हैं। इस नवीन प्रस्ताव के लिए प्रारंभिक स्तर पर भी नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श किया जाएगा।

सरकार के पीछे हटने की जानकारी सामने आते ही इन इलाकों के लोग सड़कों पर खुशी मनाने निकल आये। आंदोलन कर रहे लोगों ने आम लोगों तक यह जानकारी पहुंचाई और उन्होंने मिठाई बांटकर एक दूसरे को बधाई भी दी,। इससे पहले पर्यावरण प्रेमियों ने कैंडल मार्च निकाला था। धरने दिये थे और प्रदर्शन आदि हो चुके थे । पूर्व मंत्री पीसी शर्मा,पार्षद योगेंद्र चौहान,अरूण श्रीवास्तवलोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि रहवासी एवं समस्त भोपालवासी अब खुशियां मनाएं। यह खुशियां अपनी प्रकृति और भोपाल को बचाने की है यह जीत भोपाल की एकता की है। इस मौके पर ढोल बजाकर पटाखे जलाकर एवं मिठाई बताकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी गईं।

वन मंत्री बोले– 29 हजार पेड़ काटने का तो कोई प्रस्ताव ही नहीं था

भाजपा की मोहन सरकार के दो मंत्री पेड़ काटने के प्रोजेक्ट पर अलग–अलग दिखे। वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने सोमवार प्रदेश भाजपा कार्यालय में कहा कि शिवाजी नगर क्षेत्र में 29 हजार पेड़ काटने का कोई प्रस्ताव ही सरकार के पास नहीं आया है। किसी सामूहिक बैठक में इस पर चर्चा भी नहीं हुई। तब पेड़ काटे जाने के मामले में बयान कैसे दे दें। उधर कुछ देर बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर ट्विट कर दिया और लिखा कि प्रस्ताव निरस्त किया जाता है।

संपत्तिकर में 10 फीसद तक इजाफा करने की राह खोज रहा नगर निगम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम भोपाल में लोगों से ज्यादा संपत्तिकर वसूलने की तैयारी में है। यह बढोतरी 10 प्रतिशत तक हो सकती है। हालांकि इसके पहले आज इस पर मंथन हो रहा है कि फिलहाल प्रापर्टी टैक्स बढ़ाया जा रहा है या नहीं । हालांकि अभी तक इसे लेकर निगम के जिम्मेदार नेता और अफसर खुलकर नहीं बोल रहे हैं । महापौर मालती राय ने सरकार की गाइडलाइन के पालन की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है । जबकि नगर निगम ने 2023-24 में पांच प्रतिशत, 2022-23 में 10 प्रतिशत और 2021-22 में परिक्षेत्र की राशि में बदलाव किए थे। उस दौरान चयनित क्षेत्रों में 50 प्रतिशत टैक्स बढ़ गया था। यह देखकर कहना गलत नहीं होगा कि नगर निगम प्रापर्टी टैक्स बढ़ाकर जनता को बोझ तले दबा रहा है, क्योंकि पिछले तीन सालों से लगातार टैक्स बढ़ाया जा रहा है। वहीं इस वित्तीय वर्ष में भी अंदुरुनी तौर पर प्रापर्टी टैक्स बढ़ाने की योजना चल रही है। निगम सूत्रों का कहना है कि आज बजट को लेकर एक बैठक महापौर के साथ अफसरों की बैठक है। इस बैठक में पता चलेगा कि प्रापर्टी टैक्स बढ़ाया जाता है या नहीं । शहर में 4 लाख 54 हजार संपत्तियां नगर निगम रिकार्ड में दर्ज हैं । इनमें से लगभग आधी संपत्तियों से निगम को टैक्स नहीं मिलता, लिहाजा संपत्तियों के मुकाबले प्रापर्टी टैक्स खातों का आंक?ा 2 लाख 57 हजार पर सिमटा हुआ है । इसी तरह शहर में 3 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन हैं, इनमें लीगल 1 लाख 50 हजार के करीब हैं और इनमें से 60 फीसद से ही टैक्स मिलता है । नगर निगम नागरिकों से संपत्ति कर, सेवा शुल्क एवं अधिभार, समेकित कर एवं अन्य। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अधिभार। व्यवसायिक लाइसेंस शुल्क एवं अधिभार। सीवेज चार्ज एवं अधिभार के रूप में टैक्स लेता है। इसके अलावा नामांतरण, लीज और कमर्शियल लाइसेंस के रूप में भी टैक्स लेता है।

आज महत्वपूर्ण मंथन

बारिश में अंडर ग्राउंड केविल बनेगी लाइट जाने का कारण

बिजली गुल होने से नहीं मिल रही संतनगर को निजात

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में बिजली गुल की समस्या हल होने का नाम ले रही है। कभी किसी इलाके में तो कभी किसी इलाके लोगों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ रहा है। सीआरपी में बिजली कंपनी ने एमटीआर बदला है, लेकिन वहां भी समस्या बनी हुई है।

समस्या का तत्काल समाधान न होने की वजह स्टॉफ की कमी है। रात के समय बिजली ठीक करने के लिए केवल दो कर्मचारी होते हैं। एक फॉल्ट ठीक करने जाने पर दूसरी जगह जाने में वक्त लगता है। ऑन कॉल कंप्लेंट सेंटर पर शिकायत दर्ज होने के बाद भी निराकरण होना संभव नहीं हो पा रहा है। शिकायत केन्द्र में रात के समय कम स्टॉफ होने से कई बार तो शिकायत सुनने वाला भी नहीं मिलता।

केबिल कौन बदलेगा: गर्मी खत्म होने के बाद मॉनसून के सीजन में अंडर ग्राउंड केबिल से लाइट गुल होना तय माना जा रहा है। आदर्श मार्ग के निर्माण के समय नगर निगम ठेकेदार द्वारा घटिया केबिल डाले जाने की बात बिजली विभाग के अफसर कहते हैं। वे केबिल बदलने की जिम्मेदारी नगर निगम की होना बता रहे हैं, लेकिन वहीं एमआइसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने कार्यपालन यंत्री मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को पत्र लिखा है। संतनगर में बार-बार लाइट जाने की समस्या का मुद्दा उठाया है। हिंगोरानी ने कालका चौराहा से चंचल चौराहे तक एवं प्रेमचंदानी मार्ग की पूरी अंडर ग्राउंड केबिल ठीक करने या बदलने की व्यवस्था करने का कहा है। कहा गया है कि अंडर ग्राउंड केबिल से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। बारिश में केबिल के कारण लाइट बंद होने की आशंका है।

मेट्रो एंकर

निर्देशों का पालन दिखावा, मामूली सा हरा कपड़ा लगाकर धंधा

सड़क किनारे खुले में बिक रही मछली, कार्रवाई से बेखौफ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

खुले में मांस-मछली की ब्रिकी के खिलाफ चुनाव खत्म होते ही अभियान तेज हो गया है, लेकिन संतनगर और गांधीनगर में नजर नहीं आ रहा है। सड़क किनारे अवैध रूप से मछली का विक्रय हो रहा है। मछली विक्रेता सामने छोटा सा हरा कपड़ा लगाकर निर्देशों के पालन का दिखावा कर रहे हैं। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद कमान संभालते ही मुख्यमंत्री ने खुले में मांस एवं मछली के विक्रय को रोकने के निर्देश दिए थे। शुरूआत समय में संतनगर और गांधीनगर में नगर निगम ने कार्रवाई की। मांस की दुकान को सामने से बंद भी किया गया। सख्ती में कमी आते ही खुले मछली का विक्रय तो धड़ल्ले से होने लगा। संतनगर में नाके के पास और हलालपुर रोड पर नजर नहीं आता। शाम के समय बिना लाइसेंस सड़क किनारे मछली का विक्रय होते देखा जा सकता है। रोक न होने की वजह वसूली होना है।

कहां-कहां बिक रहीं मछलियां

गांधीनगर मेन रोड, लालघाटी बैरागढ़ मार्ग विजय नगर के पास, सीओओ, कैलाश नगर, सीहोर नाके पर मछली रखकर बेची जा रही है।

यहां कार्रवाई क्यों नहीं?

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों द्वारा खुले में मांस-मछली बेचने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले मांस-मछली विक्रेताओं के विरुद्ध रोजाना मौके पर ही कार्रवाहियाँ की जा रही है। स्पॉट फाइन किया जा रहा है। नगर निगम भोपाल द्वारा नगर निगम सीमा में कार्रवाई के बाद भी लालघाटी रोड़ और गांधीनगर में मछली बेचने वाले नहीं दिख रहे हैं।

हमारी सेंटिंग है बाबू

सड़क किनारे मछली बेच रही महिला ने नाम तो नहीं बताया, लेकिन कहा दो-तीन घंटे में कुछ कमाई जा जाती है। किसी तरह की गंदगी नहीं होती। शाम को धंधा करने के बाद साफ करके जाते हैं। दो-चार घंटे में घर चलाने लायक कमा लेते हैं। वैसे भी साहब लोग से हमारी सेंटिंग है।

निगम की दिक्कत

निगम अफसरों का कहना है कि मछली बेचने वाले शाम के समय कुछ घंटे का कारोबार करते हैं, इन्हे केवल भगाया जा सकता है। मछलियां जब्त की जा सकती हैं। स्थायी जैसी कोई चीज नहीं है।

लायंस क्लब ने शाक्य को 12 हजार रु. दिए

हिरदाराम नगर। मध्यप्रदेश केसरी अनमोल शाक्य का सोनीपत के अंतरराष्ट्रीय रेसलिंग संस्थान में प्रशिक्षण के लिए चयन होने पर लायंस क्लब ने प्रोत्साहन राशि का चैक दिया है। क्लब कार्यालय में लायन बीसी जैन, सीईओ एमजेएफ, लायन रवि सक्सेना, डॉ एमजेएफ लायन अनिल बाखरू, लायन डॉ पीसी कोठार, लायन जगदीश साहिता, अध्यक्ष लायन लक्ष्मण मंधानी, सचिवलायन ललित करनानी, लायन अनिल तुलसानी एवं क्लब के वरिष्ठ साथियों ने अनमोल का प्रोत्साहन राशि 12 हजार का चैक सौंपा।

निजी स्कूलों में किया पेन डाउन, 1 जुलाई से करेंगे हड़ताल

फीस अधिनियम सहित विभिन्न मांगों को लेकर नाराज निजी स्कूलों के संगठनों ने की घोषणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के निजी स्कूल फीस अधिनियम, आरटीई और निजी स्कूलों ने जांच व कार्यवाही सहित विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन पेन डाउन की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री से चर्चा नहीं होने और मांगों का निराकरण न होने की स्थिति में 1 जुलाई से स्कूलों का संचालन रोकने की भी बात कही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश संगठन के रूप में संचालक मंच, अशासकीय प्रांतीय शिक्षण संघ, प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन ग्वालियर, मप्र अशासकीय स्कूल संचालक संघ भोपाल के साथ-साथ संभागीय व जिला संगठन के अध्यक्ष व प्रतिनिधियों द्वारा यह निर्णय लिया गया है। निजी स्कूल संचालकों ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल की जब तक फीस अधिनियम, आरटीई एवं मान्यता संबंधित विधिवत चर्चा नही हो जाती, तब तक प्रदेश के सभी संगठनों ने एकमत होकर 18 जून से

सभी विभागीय कार्यो एवं फीस अधिनियम की जानकारी पोर्टल में नही भरने से संबंधित पेन डाउन का फैसला लिया है। स्कूल संचालकों ने कहा है कि मप्र का कोई भी संचालक फीस अधिनियम की जानकारी पोर्टल पर नही भरेंगा, क्योंकि फीस अधिनियम संचालकों के ऊपर थोपा जा रहा है। संचालक सरकार व शिक्षा विभाग के सभी नियमो का पालन करेंगे, लेकिन संचालकों को कम से कम 6 माह से 1 साल का समय मिलना आवश्यक है।फीस अधिनियम के विषय में संचालक भ्रम की स्थति में है। जिस प्रकार से जांच और कार्यवाही स्कूलों पर की जा रही है वह उचित नही है। जब तक मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं होगी तब तक फीस अधिनियम की जानकारी पोर्टल पर अपलोड नही होगी। पेन डाउन एवं अनिश्चितकाल तक स्कूल बंद रहेंगे।

भिंड दूषित पेयजल आपूर्ति मामला

अब सरकार ने ठेकेदार और अधिकारियों को थमाए नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भिंड के नगरीय क्षेत्र फूंफ में 10 जून को दूषित पेयजल सप्लाई से बिगड़ी थी लोगों की हालत

भिंड में दूषित पेयजल आपूर्ति मामले में सरकार ने ठेकेदार और आपूर्ति से जुड़े अधिकारियों को नोटिस थमाए हैं। एक जांच समिति गठित कर दी है। सभी से दो दिन में प्राथमिक रिपोर्ट मांगी है।

यह है मामला

भिंड के नगरीय क्षेत्र फूंफ के वार्ड क्रमांक 05, 06 एवं 07 में 10 जून को दूषित पेयजल आपूर्ति हुआ था, जिसका उपयोग करने से लोगों की हालत खराब हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सख्ती के बाद संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने इन्दौर की मेसर्स कल्याण टोल इन्फा प्रा.लि. को नोटिस दिया है। उक्त कंपनी के पास फूँफ में पेयजल का संचालन एवं संधारण का काम है। वहीं क्षेत्र के संबंधित अधिकारियों, परियोजना प्रबंधक को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन सभी से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही मुख्य अभियंता स्तर पर जांच समिति गठित कर दी है। जिसे दो दिन में प्राथमिक जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

आरटीई: निजी स्कूल 20 जून तक कर सकेंगे प्रस्ताव लॉक, 30 जून तक पूरी कार्यवाही होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरटीई के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की सत्र 2022-23 की फीस प्रतिपूर्ति को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के कलेक्टरों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि संबंधित निजी स्कूलों द्वारा प्रस्ताव तैयार कर स्कूल के नोडल अधिकारी को ऑनलाइन भेजे गए हैं। नोडल अधिकारियों द्वारा स्कूलों के प्रस्ताव का भौतिक सत्यापन कर जिला परियोजना समन्वयक को ऑनलाइन भेजे गए हैं। जिन निजी स्कूलों द्वारा सत्र 2022-23 के फीस प्रतिपूर्ति प्रस्ताव पूर्व में निर्धारित समयावधि में नहीं बनाए गए थे, उन्हे एक और मौका देते हुए

प्रस्ताव लॉक करने के लिए अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित की गई है। स्कूलों द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव यदि किसी नोडल अधिकारी के पास 3 दिन से अधिक लंबित हैं, तो नोडल अधिकारियों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रस्ताव के निराकरण के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए गए हैं। इसके साथ ही यह निर्देश भी दिए एग हैं कि सभी पात्र प्रपोजलों का भुगतान आदेश 30 जून तक लॉक किए जाएं, ताकि समय पर राशि जारी की जा सके।

भारतीय वन प्रबंध संस्थान में 200 भावी हरित प्रबंधक होंगे शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल स्थित केंद्रीय संस्थान भारतीय वन प्रबंध संस्थान (भा.व.प्र.स) नए शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए अपने प्रमुख एमबीए कार्यक्रम-वानिकी प्रबंधन एवं सततपोषणीयता प्रबंधन में 200 नविन छात्रों को शामिल करने जा रहा है। उभरते हरित प्रबंधकों का यह समूह देश के 22 क्षेत्रों (राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों) का प्रतिनिधित्व करेगा, इस समूह में इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य और कला की विविध पृष्ठभूमि से छात्र-छात्रा शामिल है जिसमे विशेष रूप से 40 प्रतिशत महिला छात्रों के साथ संतुलित लैंगिक समानता है। इस विशेष दिन को चिह्नित करने एवं यादगार बनाने के लिए, नए प्रवेशित छात्र भरिया वन प्रबंध संस्थान परिवार के साथ भारत की मिशन लाइफ पहल के अभियान के तहत अपने हरित पदचिह्न की छाप छो?ते हुए वृक्षारोपण अभियान में शामिल होंगे। इस द्विसाप्ताहिक कार्यक्रम में, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, स्थिरता, विकास, कॉर्पोरेट, व्यवसाय, बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय और परामर्श क्षेत्रों के विद्वान नए छात्रों के साथ बातचीत करेंगे।

संपादकीय

सवाल भरोसे की उम्मीद

परीक्षा किसी भी तरह की हो, सरकार को उसमें हरस्तर पर पारदर्शिता की हरसंभव गुंजाइश रखना चाहिये। हाल में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित इस बार की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी नीट को लेकर उठे विवाद ने यह बात फिर रेखांकित की है। वजह यह कि हाल में सरकार ने पहली बार माना कि इस मामले में गड़बड़ियां हुई हैं। इसके पहले सरकार पूरे मामले में खुद को अलग बताने की कोशिश में नजर आ रही थी। ताजा घटनाक्रम के बाद फिर प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल गहरे कर दिए हैं। कुछ केंद्रों पर गलत पर्चा बंटने के बाद से ही विद्यार्थी आरोप लगाते रहे कि प्रश्नपत्र पहले ही बाहर निकल चुके हैं, मगर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए लगातार उस आरोप को खारिज करती रही। फिर नतीजे आए तो उसमें कई विसंगतियां देखी गईं। सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे सात सौ बीस अंक मिले थे। करीब सोलह सौ विद्यार्थियों को कृपांक दिए गए। मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा, तो उसने स्थिति स्पष्ट करने को कहा। मगर फिर भी एनटीए और सरकार की तरफ से तर्क दिया जाता रहा कि परीक्षा का पर्चा बाहर नहीं गया, उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में कुछ त्रुटि हो सकती है। उसके लिए एक जांच समिति गठित कर दी गई। सोलह सौ विद्यार्थियों को दुबारा परीक्षा में बैठने की सहूलियत दी गई। मगर अब सबूत सामने आने लगे हैं कि प्रश्नपत्र पहले ही बाहर हो गया था। इससे एक बार फिर एनटीए की साख धूमिल हुई है। इस संस्था का गठन ही इस मकसद से किया गया था कि यह पूरी पारदर्शिता के साथ और चौक-चौबंद तरीके से प्रतियोगी तथा प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करेगी। इससे नकल माफिया पर अंकुश लगेगा। जिस तरह पूरे देश में नकल माफिया का जाल फैल चुका है और वे सख्त से सख्त पहरे में भी सेंधमारी करने में माहिर हो चुके हैं, उससे पार पाने में एनटीए को एक कारगर तंत्र माना जा रहा था। मगर वह भी विफल हो चुका है। इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के पर्चे फोड़ने में सबसे अधिक कोचिंग संस्थानों का हाथ देखा गया है। राज्य सेवा आयोग की परीक्षाओं तक में वे सेंध लगाते पाए गए हैं। उन पर नकेल कसने का अभी तक कोई पुख्ता तंत्र नहीं बन पाया है। परीक्षाओं में धांधली होनहार विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ और व्यवस्था में औसत तथा अयोग्य लोगों की फौज जमा करते जाने की कोशिश है। बिना दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना मुश्किल है। ताजा मामले में इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि परीक्षा पर जो आरोप लगे हैं वह बहुत गंभीर हैं। याचिका दायर करने वालों के मुताबिक, अजब संयोग यह भी है कि ये टापर स्टूडेंट्स खास कोचिंग सेंटर से जुड़े हैं। ग्रेस मार्क्स देने के आधार, उसके तरीके पर तो सवाल उठाया ही गया है, इसमें पारदर्शिता की कमी को भी मुद्दा बनाया गया है। इन सब पर हालांकि एनटीए का अपना स्पष्टीकरण है, लेकिन देश में जितने बड़े पैमाने पर स्टूडेंट्स इन परीक्षाओं में शामिल होते हैं और उनकी आकांक्षाएं जुड़ी होती हैं, उसे देखते हुए गड़बड़ी के संदेह के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जा सकती। इस मामले में हर दिन कोई नया तथ्य आ रहा है और सरकार यानि शिक्षा मंत्रालय भी घिरना जा रहा है। उधर गुजरात पुलिस द्वारा भी एनटीए में पतारसी के बाद कुछ प्रमाण जुटाने की खबरें हैं। इन हालातों में उन छात्रों की मनस्थिति के बारे में सोचा जाना चाहिये, जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी है लेकिन अब वे और उनके अभिभावक किसी अनिश्चय में आ फंसे हैं।

असहमत होते हुए भी विरोध में नज़र ना आना सफल वार्तालाप का सूत्र है। हमारी मित्रता के टूटने का एक कारण यह भी है की हम सहमत होते हुए भी विरोध में दिखाई देते हैं।

आज का इतिहास

- 1952 सोवियत युद्ध के विमानों ने एक स्वीडिश सैन्य डगलस ष्ट्ट-3-360 स्काईट्रेन को सिग्नल इंटेलिजेंस इकाइयां संचालित करने के लिए गोली मार दी, जिसके बाद कैटालिना फ्लाइंग बोट की शूट डाउन द्वारा तीन दिन बाद स्काईट्रेन की खोज की।
- 1955 सोवियत भूवैज्ञानिकों ने मीर खदान की खोज की, यूएसएसआर में पहला डियामिनॉन्ड खदान और पूर्वी साइबेरिया में दूसरा सबसे बड़ा खुदाई छेद था।
- 1956 अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (आईसीपीओ) को गठन किया गया।
- 1956 72 वर्षों तक अपने नियंत्रण में रखने के बाद ब्रिटेन ने स्वेज नहर का नियंत्रण मिस्र को सौंपा।
- 1963 न्यूयॉर्क कमोडिटी एक्सचेंज ने चांदी के वायदा अनुबंधों का कारोबार शुरु किया।
- 1966 मिरांडा बनाम अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार एरिज़ोना के भूभाग ने मिरांडा चेतावनी की स्थापना की, कानून प्रवर्तन अधिकारियों को अपने अधिकारों के संरक्षण में एक संदिग्ध को चुप रहने और वकील प्राप्त करने की सलाह दी।
- 1970 द लॉन्ग एंड विंडिंग रोड संयुक्त राज्य अमेरिका में बीटल्स का बीसवां और अंतिम नंबर का एकल बन गया।
- 1971 न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पेपर्स, एक 7,000 पन्नों के शीर्ष-गुप्त संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग के इतिहास को वियतनाम युद्ध में राजनीतिक और सैन्य भागीदारी के लिए प्रकाशित करना शुरू किया।

निशाना

नहीं है आती लज्जा !

- कृष्णेन्द्र राय

तरस रहे हैं पानी को ।
है आपकी सरकार ।।
मिल कर लड़े चुनाव जो ।
अब उनमें तकरार ।।
छीछालेदर हो रही ।
जारी त्राहिमाम ।।
घटनाक्रम से है साबित ।
आप हुए नाकाम ।।
नहीं है आती लज्जा ।
है कुर्सी का खेल ।।
उब चुकी है जनता ।
रही जो कब से झेल ।।
साफ हुई तस्वीर ।
हुआ कितना काम ।।
केवल बयानबाजी और ।
फरमाए आराम ।।

नीट परीक्षा कैसे होगी क्लीन

राज्य सरकारों के साथ हर वर्ग की भागीदारी जरूरी

■ राजेश कुमार

इस साल मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट परीक्षा) कुछ गलत कारणों से सुर्खियों में आ गई है। 'नीट ऐंड क्लीन' वैसे तो अंग्रेजी का एक मुहावरा है, लेकिन देखने वाली बात यह है कि क्या नीट परीक्षा क्लीन हो सकेगी? देश भर में विद्यार्थी सड़कों पर हैं, मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया है, विपक्षी दलों ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है, और केंद्र की सरकार घिरती हुई नजर आ रही है।इसका कारण यह है कि इस बार की परीक्षा में कुछ ऐसी अजीबोगरीब बातें हुई हैं, जो पहले कभी नहीं हुई थीं। एक तो इसका परिणाम नियत तिथि से 10 दिन पहले, यानी जिस दिन लोकसभा चुनावों के परिणाम घोषित हो रहे थे, ठीक उसी दिन सियासी गहमागहमी के बीच चुपके से घोषित कर दिया गया। इसके अलावा, पेपर लीक होने, इक्का-दुक्का की तुलना में 67 टॉपर्स होने, असंभव स्कोर होने, करीब 1,500 छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए जाने, कट-ऑफ अधिक होने, एक ही कोचिंग सेंटर से आठ विद्यार्थियों के मेरिट लिस्ट में शामिल होने आदि के आरोप लगे हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी-नीट) भारत में स्नातक चिकित्सा कार्यक्रमों (एमबीबीएस और बीडीएस) में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाने वाली राष्ट्रव्यापी परीक्षा है। यह परीक्षा भारत के अधिकांश मेडिकल कॉलेजों के लिए एकमात्र प्रवेश परीक्षा के रूप में आयोजित की जाती है। इनमें सरकारी और निजी, दोनों तरह के मेडिकल कॉलेज शामिल हैं और सीटों की संख्या लगभग एक लाख है।

साल में एक बार आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा में 24 लाख से अधिक विद्यार्थी बैठते हैं, यानी एक सीट के लिए लगभग 24 विद्यार्थी अपना भाग्य आजमाते हैं। इससे पता चलता है कि ये दाखिले कितने आकर्षक और लाभदायक माने जाते हैं। विद्यार्थी इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं, कोचिंग करते हैं, और कुछ विद्यार्थी एवं उनके माता-पिता इसके लिए कोई भी कीमत देने के लिए तैयार रहते हैं, और ठीक यहीं से समस्या शुरू होती है। यह परीक्षा बहुविकल्पी (मल्टीपल-चॉइस) प्रश्नों के आधार पर ली जाती है, जिसमें विद्यार्थियों को ओएमआर (ऑप्टिकल मार्क रिकॉग्निशन) शीट पर उत्तर अंकित करने होते हैं। यह परीक्षा की विश्वसनीयता स्थापित करने और शीघ्रता से परीक्षा परिणाम घोषित करने में मदद करता है। तो फिर समस्याएं क्यों हो जाती हैं? सबसे बड़ी समस्या पेपर लीक होने की है। चूंकि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश केवल परीक्षा के स्कोर पर ही निर्भर होता है, इसलिए भ्रष्टाचारी लोग इसमें आसान कमाई का रास्ता ढूंढ लेते हैं, खासकर तब, जब कुछ माता-पिता इसके लिए कोई भी कीमत देने के लिए तैयार रहते हैं। इसका कारण यह है कि प्राइवेट कॉलेजों की फीस की तुलना में यह कीमत फिर भी काफी कम रहती है। और कम खर्चे वाले सरकारी कॉलेजों में प्रवेश इसी परीक्षा के माध्यम से संभव होता है। इसके बाद एनटीए को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है।

तो क्या यह सब इसी तरह से चलता रहेगा, और हम हाथ-पर-हाथ धरकर बस देखते रहेंगे? आइए, देखते हैं कि कुछ दूसरे देश इस काम को किस तरह हमसे बेहतर विश्वसनीयता के साथ करते हैं, और क्या हम उनसे कुछ सबक ले सकते हैं? अमेरिका में इसके लिए मेडिकल कॉलेज एडमिशन टेस्ट (एमसीएटी) आयोजित किया जाता है। इस टेस्ट की तीन मुख्य बातें ध्यान देने योग्य हैंङ्कप्रवेश के अनेक घटक, सुरक्षा और पारदर्शिता। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि अमेरिका में दाखिले के लिए केवल परीक्षा पर ही निर्भर नहीं रहा जाता। इसमें इसके अलावा तीन घटक और शामिल हैं। इसके लिए आवेदक को समग्र आवेदन पैकेज जमा करना होता है, जिसमें शामिल हैं-(1) निजी कथन-इसमें आवेदक अपनी अभिप्रेरणाओं, अनुभवों और गुणों को स्पष्ट करते हैं, जो उन्हें दाखिले के लिए उपयुक्त सिद्ध करें। (2) अनुशंसा पत्र-अध्यापक या स्वास्थ्य सेवा पेशेवर आवेदक के शैक्षिक निष्पादन, कार्य नैतिकता और सफल विद्यार्थी होने की संभावना के बारे में जानकारी देते हैं। (3) साक्षात्कार-इससे मेडिकल कॉलेज आवेदक के संप्रेषण कौशलों, पारस्परिक कौशलों, और पाठ्यक्रम के लिए उपयुक्तता का आकलन कर सकते हैं। परीक्षा में धोखाधड़ी रोकने के लिए अमेरिका में कड़े प्रोटोकॉल लागू किए जाते हैं। इसमें सुरक्षित परीक्षा केंद्र स्थापित करना, नियंत्रित परीक्षा परिवेश और परीक्षा सामग्री तक अनधिकृत पहुंच को रोकने के उपाय शामिल हैं। मानकीकृत स्कोरिंग प्रणाली सभी परीक्षार्थियों का निष्पक्ष और सुसंगत मूल्यांकन सुनिश्चित करती है। इससे पेपर लीक होने और परीक्षा संस्थान को प्रभावित करने की समस्याएं दूर हो जाती हैं। एमसीएटी संगठन विषय-वस्तु क्षेत्रों, स्कोरिंग और तैयारी के संसाधनों पर विस्तृत जानकारी के साथ समग्र परीक्षण गाइड भी देता है। एमसीएटी विषय-वस्तु और फॉर्मेट की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और उसे चिकित्सा शिक्षा की उभरती जरूरतों को शामिल करने के लिए अपडेट किया जाता है, ताकि भ्रम की गुंजाइश न रहे और ग्रेस मार्क्स देने की नौबत न आए। एमसीएटी संगठन संभावित पूर्वाग्रहों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए डाटा का विश्लेषण करता है और फीडबैक प्राप्त करता है, ताकि परीक्षा निष्पक्ष और न्यायसंगत बनी रहे। संभवतः हम भी नीट में परीक्षा पर निर्भरता को कम करके और इसे अधिक पारदर्शी और मानक बनाकर बहुत-सी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा, इसमें राज्यों की भागीदारी रखकर, ग्रामीण विद्यार्थियों की जरूरतों पर ध्यान देकर, स्कूलों में चिकित्सा शिक्षा पर बल देकर, कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर, और इसकी प्रक्रिया में निरंतर सुधार करके इस परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ा सकते हैं। अगर हम ऐसा कर सके, तो न केवल प्रतिभावान छात्रों के साथ न्याय कर पाएंगे, बल्कि परीक्षा में कदाचार रोकने में सफल होंगे एवं भ्रष्ट तरीकों से कमाई करने वाले आपराधिक तत्वों पर भी अंकुश लगा पाएंगे। संस्थानों की विश्वसनीयता को बनाए रखना मौजूदा दौर में सबसे बड़ी चुनौती है।

- साभार: यह लेखक के विचार हैं।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

■ ललित गर्ग

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही हैड़ हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैंड़ जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौंका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाताड़ घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्योंड़

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पड़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पड़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

- साभार

देश के लिए मांगी अमन चैन की दुआ

नर्मदापुरम। इस्लामी त्यौहार बकरीद के अवसर पर ईदगाह में सामूहिक नमाज अदा की गई. ईदगाह में उपस्थित नमाजियों ने देश के अमन चैन के लिए दुआ मांगी. एक दूसरे को त्यौहार की शुभकामनाएं दी। त्यौहार की व्यवस्था बनाने में जिला प्रशासन तथा नगर पालिका प्रशासन का सहयोग रहा।

संगीतमय अखंड रामायण पाठ का आयोजन

नर्मदापुरम। एकादशी के अवसर पर मालाखेड़ी स्थित गौर कॉलोनी मंदिर में संगीतमय अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन किया गया। दुर्गा महिला मंडल की अध्यक्ष निर्मला राठौर ने बताया कि नर्मदापुरम शहर एवं देश की सुख शांति की कामना करते हुए अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोनाली दुबे, प्रियंका राठौर, लता मिश्रा, संगीता मिश्रा, भारती चौकसे समेत बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर संगीतमय पाठ किया।

लगभग 6 लाख रूपये के जेवर चोरी

घर में थे मकान मालिक, चोरों ने उड़ाए सोना-चांदी के जेवर

इटारसी। चोरो ने इटारसी अनुभाग के ग्राम जुझारपुर में एक अजीबो गरीब चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरो ने मकान के ऊपरी कमरे में रखे सोने,चांदी के जेवर ले गए है करीब 6 से 7 लाख रूपये का माल चोरी हुआ है। पुलिस ने फरियादी के कथन दर्ज किये है, घटना की जानकारी लगने पर एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया है।

जुझारपुर निवासी कौशल पटेल ने बताया कि चोरो ने 14तारीख को करीब साढ़े 7 से लेकर साढ़े 8 के बीच वारदात को अंजाम दिया है, चोर खिड़की से कमरे में घुसे और टीवी चालू किया, व सामान बिखरा दिया। चोरो ने बिस्तर पर लेट्रिंग भी करके गए थे। चोरो ने अलमारी में रखे सोने चांदी का पूरा माल ले गए है। पुलिस ने फरियादी भानु पटेल की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त ने जनजातीय छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

खराब परीक्षा परिणाम देने वाले अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

उपायुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव एवं संजय कुमार द्विवेदी प्रभारी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, नर्मदापुरम ने गत दिवस समस्त अनुसूचित जाति/जनजातीय छात्रावास / आश्रम शाला अधीक्षको की समीक्षा बैठक कन्या शिक्षा परिसर, पवारखेड़ा में ली। बैठक में विगत वर्ष के बोर्ड परीक्षा परिणाम, की समीक्षा की गई, और निर्देश दिए गए की जिन छात्रावासो में कक्षा 10वी एवं कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम 50 प्रतिशत से कम आए है, ऐसे सभी छात्रावास अधीक्षको को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। साथ ही समस्त छात्रावास / आश्रम शालाओं में रिक्त सीटों के विरूद्ध आज दिनांक तक प्राप्त आवेदन पत्रो की समीक्षा की गई। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में समस्त रिक्त सीटें भरी जाने का लक्ष्य सभी छात्रावास अधीक्षकों को दिया गया। सभी छात्रावास अधीक्षको को निर्देश दिए गए की वे उच्च. माध्यमिक शाला एवं हाईस्कूल में भ्रमण कर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अधिक से अधिक विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्?त करें। आश्रम शालाओं में रिक्त सीटों के विरुद्ध कम आवेदन आने पर उक्त दोनों अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की

एवं आश्रम शालाओं में शत प्रतिशत सीट पूर्ति हेतु पदस्थ शिक्षकों को 10-10 छात्र/छात्राओं के आवेदन कराये जाने का लक्ष्य दिया गया। कहा गया कि 25 जून तक रिक्त सीटों को नहीं भरने वाले अधीक्षक एवं शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। सत्र प्रारंभ होने के पूर्व सभी छात्रावास, आश्रम शाला के कक्षों, बिस्तर, सामग्री की साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था पंखे आदि ठीक करने के निर्देश दिये गये। सभी कन्या छात्रावासों के अधीक्षकों को कन?या छात्रावासों में सी.सी.टी.व्ही कैमरे सतत रूप से चालू रखने के निर्देश दिये गये।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम अंतर्गत संचालित छात्रावास / आश्रम अधीक्षक जो बैठक में अनुपस्थित रहे है उन्हे कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

ईसीसी सोसायटी के चुनाव के लिए परिवर्तन यात्रा आज

इटारसी। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के ओर ऑल इंडिया एससी एसटी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में ईसीसी सोसायटी के चुनाव को लेकर , संघ द्वारा परिवर्तन पदयात्रा 18 जून को निकाली जाएगी। इस पदयात्रा में तिरंगा झंडा यूनियन के मंडल अध्यक्ष राजेश पांडेय उपस्थित रहेंगे एवं ऑल इंडिया एससी एसटी एसोसिएशन के सभी सदस्य एवं डेलीगेट सिक लाइन न्यू यार्ड इटारसी से दोपहर 3ः30 पर पदयात्रा प्रारंभ करेंगे।जो डीजल शेड,बिजली ऑफिस ,एसी शेड होते हुए स्टेशन आरक्षण कार्यालय के सामने समाप्त होगी।,इस पदयात्रा से उन रेलवे के कर्मचारियों को जागरूक करना है, जिनके बच्चों को नौकरी लगाना है।लोन पर ब्याज दर कम करना है, ईसीसी सोसायटी का ऑफिस इटारसी में लाना है । गवाही समाप्त करना है ,ब्याज दर कम करना है। इन्हीं सभी ज्वलंत मुद्दों को लेकर सभी डेलीगेट ,अर्जून ऊटवार ,आकाश यादव, सौरभ पांडे , वीरेंद्र बड़ोदिया, दीपक वर्मा, अभय उदलीकर, अजय डागोरिया,,बबलू मीना ,,के साथ सैकड़ो युवा पदयात्रा करेंगे। ऊक्त जानकारी मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी द्वारा दी गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन में मिश्र तालाब पर गंगा आरती तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

रायसेन। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन स्थित मिश्र तालाब पर गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा आरती तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, सीएमओ रायसेन सुरेखा जाटव सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा आमजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान मिश्र तालाब में दीपदान भी किया गया। कार्यक्रम में शाइनिंग पब्लिक स्कूल रायसेन की छात्राओं द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के थीम सॉन्ग पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

महिला मोर्चा ने किया पौधरोपण

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के जन्मदिवस के उपलक्ष में पुरानी इटारसी महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती बबीता चौहान के नेतृत्व में स्थानीय विश्रामगृह में वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर लक्ष्मी गालर, प्रतिछा ठाकुर, क्षमा चावरे सुष्मिता दुबे,अनीता दुबे, राजकुमारी वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक अग्रवाल,सोनू दीक्षित, राजा तिवारी,जय किशोर चौधरी उमेश पटेल, अभिनव शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

स्वच्छता और पानी, हमको बचानी जिंदगानी

सरोवर पर जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन समारोह

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

सरोवर जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह पर जल संवर्धन विषय पर स्टूडेंटस ने अपनी स्पीच दी, डांस, रंगोली, पेंटिंग, गीत, संगीत के माध्यम से पानी बचाने का संदेश दिया। यहां एक गाना सबके जहन में उतर गया। जिसके बोल थे, सोचो तो, क्यों है आज सहमा सहमा पानी, चुप चाप पानी, क्यों ! चलो बदलते कहानी कहानी, बचाएं लें निशानी हम, पूछेगी धरती तब कहां थे तुम, नदी रो रही थी तब कहां थे तुम । स्वच्छता और पानी, हमको बचानी जिंदगानी। इस गीत पर गर्वमेंट गर्ल्स कॉलेज की छात्रा काशिफा खान ने डांस की प्रस्तुति देकर पानी, धरती मां और नदी की व्यथा से सबको अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सीधे प्रसारण के माध्यम से इटारसी वासियों को जल संवर्धन की शपथ दिलाई।

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, तहसीलदार सुनीता साहनी, अधिवक्ता अशोक शर्मा, सीएमओ ऋचु मेहरा, विश्वनाथ सिंघल, जय किशोर चौधरी, डा नीरज जैन, दीप्ति शुक्ला, पार्षद जिमी कैथवास, कुंदन गौर, अमित विश्वास, शुभम गौर, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, महिला मोर्चा अध?यक्ष पुरानी इटारसी मंडल बबीता चौहान, मो जाफर सिद्धिकी सहित अन्य मौजूद थे।

इन्होंने दी प्रस्तुति

स्पीच जल संरक्षण विषय पर खुशी मो जाफर सिद्धीकी, प्रांजल शर्मा, हर्ष नितिन यादव, जीनियस प्लानेट स्कूल काशिफा खान, गर्ल्स कॉलेज ने स्पीच दी। वाइलिन के जरिए नीलेश टिकरिया ने समा बांधा। गीत के जरिए सलोनी सोनी, श्रीमती संजावली यादव ने जल बचाने का संदेश दिया।

दीप दान हुआ-

कार्यक्रम के अंत में दीप दान का आयोजन किया। यहां तालाब के घाट पर दीपदान सभी अतिथियों और नागरिकों ने किया।

सहकारी सम्मेलन में समिति प्रबंधकों ने सहभागिता निभाई

नैनों यूरिया की पौने दो लाख बोतलें विक्रय का लक्ष्य - कलेक्टर

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

सहकारी सम्मेलन के माध्यम से बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित के प्रबंधकों के लिए आज इफको द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग एवं महत्व पर आधारित कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। कलेक्टर एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में इस वर्ष नैनो यूरिया की पौने दो लाख बोतलें विक्रय करने का लक्ष्य रखा गया है।इ जो गत वर्ष की तुलना में चार गुना से ज्यादा है।

कलेक्टर ने इफको के द्वारा आयोजित सम्मेलन को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसानों को समय पर उत्कृष्ट गुणवत्ता युक्त बीजों, उर्वरकों व कृषि संसाधनों की पूर्ति हो ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो।

कलेक्टर ने कहा कि नैनो यूरिया से होने वाले बहुउपयोगी फायदों की जानकारी किसानों तक सकारात्मक तरीकों से अधिक से अधिक संसाधनों के माध्यम से पहुंचे। यूरिया के क्षेत्र में हों रहे बदलाव अर्थात लिक्विड नैनों यूरिया के छिड़काव की समयावधि फसलों की पत्तियों पर करना है। उन्होंने तकनीकी पहलुओं, विक्रय दरों, भण्डार हेतु सीमित स्थान सहित अन्य बिंदुओं को रेखांकित किया।

इफको के राज्य विपणन प्रबंध श्री प्रकाश चंद पाटीदार ने सहकारिता एवं किसान हितेषी योजना एवं उर्वरक व्यवसाय इफको की भूमिका को रेखांकित करते हुए नैनो यूरिया के विक्रय तथा समितियां को होने वाले मुनाफों, फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि, पर गहन प्रकाश डाला। सहकारिता सम्मेलन में इफको के क्षेत्र सहायक क्षेत्र प्रबंधक श्री कुमार मनेन्द ने आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित किया इफको के उप महाप्रबंधक ने नैनो एरिया प्लस एवं नैनो डीएपी का फसलों में उपयोग एवं महत्व तथा प्रबंधक वितरण श्री आरकेएस राठौर ने इफको के विशिष्ट उत्पादक सागरिका जीव उर्वरक जल विलय उर्वरक एवं अन्य उत्पादकों का फसलों में उपयोग एवं महत्व तथा सहकारिता विशेषज्ञ सचिन ताम्रकार ने सहकारिता की दिशा संभावनाएं पर प्रकाश डाला है कोऑपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह ने समितियां के लाभ देता हेतु व्यवसाय विधीकरण एवं संवर्धन को रेखांकित किया को भी रेखांकित किया उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया छिड़काव के दौरान दुर्घटना होती है तो गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बीमा के हिसाब से दुगनी राशि दी जाएगी। यूटोपिया रिसार्ट में आयोजित सहकारी सम्मेलन में जिले की 154 समितियों के प्रबंधों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आबकारी पुलिस प्रशासन खुली छूट का फायदा

खुलेआम सड़कों पर छलक रहे हैं मदिरा जाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा खुले में शराब पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं पर जिनके कंधों पर नियम का पालन करवाने की जिम्मेदारी है उनके उनके द्वारा धरातल पर कार्य नहीं किया जा रहा है। इसकी वजह से शराब दुकान के बाहर सड़क पर चौक चौराहा सार्वजनिक स्थानों पर भी बड़ी संख्या में लोग शराब पीकर हंगामा करते हैं कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित हो चुकी है ।पुलिस को भी बुलाना पड़ा है फिर भी जिम्मेदार विभाग के आला अधिकारियों से लेकर स्थानीय अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहा है तथा पुलिस प्रशासन के द्वारा खुले में शराब पीने वालों पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है खानापूर्ति करने का काम जरूर सभी के द्वारा किया जाता है। या फिर जिम्मेदारों के द्वारा ही खुली छूट शराब के शौकीनों को दे दी है। तभी तो खुलेआम शराब दुकान के बाहर शराब पीने का कार्य करके सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। वहीं खुले में शराब पीने के कारण शराबियों के द्वारा बहन बेटियों को देखकर कई तरह की हरकतें भी यहां कर चुके हैं कुछ महिलाओं ने तो इन शराबियों को मुंहतोड़ जवाब भी दिया है । इसी तरह मुख्य मार्ग पर शराब दुकान होने के कारण यात्री बस और वाहनों के साथ भी कई बार शराबी शराब के नशे में धूत होकर हंगामा कर चुके हैं इसके कारण दुर्घटनाएं भी हो चुकी है । इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार आंखें बंद करके तमाशा देखना है। शायद किसी दिन बड़ी घटना होने के बाद ही जिम्मेदार कुंभकरण की नींद में से जागेंगे।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है: केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह, पुत्र श्री कार्तिकेय सिंह चौहान के साथ विजयासन देवी धाम सलकनपुर पहुंचे। उन्होंने माता विजयासन की पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि भारत के विकास में कृषि का विशेष स्थान है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड है और उसकी आत्मा किसान है। उन्होंने कहा कि कृषि के विकास और किसानों के कल्याण के लिए सतत काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेती के विकास और किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, उन योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ने का काम किया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 18 जून को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी काशी में आयोजित कार्यक्रम में देश के किसानों के खाते में लगभग 20 हजार करोड़ रूपये किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित करेंगे । उन्होंने कहा कि खेती का तेजी से विकास हो और किसान आगे बढ़े, इसके लिए 100 दिन की कार्य योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास भी सरकार की प्राथमिकता है और पहली कैबिनेट बैठक में ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण क्षेत्रों में बनाने का निर्णय लिया, ताकि गरीबों का खुद के पक्के मकान का सपना पूरा हो सके।

नियम कानूनों को ताक पर रखकर प्राइवेट स्कूल संचालक कर रहे मनमानी

निजी स्कूल किताब-कॉपी के नाम पर अभिभावकों की जेब पर डाल रहे डाका

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

उल्लेखनीय है कि निजी स्कूलों के संचालन के लिए शिक्षा विभाग से मान्यता लेनी पड़ती है। इसके लिए मानक निर्धारित किए गए हैं, जिनका पालन मान्यता प्राप्ति के पूर्व ही सुनिश्चित करना होता है। इन मानकों में स्कूल के संचालन के लिए पर्याप्त रूप से भवन की उपलब्धता के अलावा अन्य जरूरी संरचना का भी होना भी आवश्यक है। लेकिन सिरोंज एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कई स्कूल किराए के भवन में चल रहे हैं। कई स्कूलों में न तो संचालित कक्षाओं के हिसाब से कमरे हैं और न ही पर्याप्त जगह न पानी है और शौचालयों की सुविधा न स्कूलों में खेल मैदान जब कि आरटीई के मापदंडों के अनुसार कमरों को एक निश्चित क्षेत्रफल के अनुसार होना चाहिए। सिरोंज में शिक्षण संस्थान जो शिक्षा को व्यापार बना चुके हैं आरटीई (शिक्षा के अधिकार) के नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं।

अधिकारियों की है मिलीभगत -

ज्ञात होकि स्कूलों के नियम अनुसार न होने की वजह कहीं न कहीं मान्यता देने वाले अधिकारी कर्मचारी भी शामिल है, जब स्कूलों को मान्यता दी जाति है या मान्यता पुनः बड़ाई जाती है तब अधिकारिओं को यह देखना होता है कि चल रही प्रायवेट स्कूल संचालक आरटीई के मापदंडों का पालन कर रहे है या नहीं कर रहे है, स्कूल में सारी सुविधाये है या नहीं है, जब हर साल स्कूल की मान्यता रिनू की जाती तो प्रायवेट स्कूल संचालक कैसे अपनी मनमानी कर रहे है या फिर यूँ कहे की यह सब लेनदेन का खेल है या राजनैतिक दवाब है। जब तक अधिकारी अपने हस्ताक्षर नहीं करेगा प्रायवेट स्कूल संचालक अपनी मनमर्जी कर ही नहीं सकेंगे।

शारीरिक विकास के लिए स्कूलों में नहीं है खेल मैदान -

विद्यार्थियों के समुचित शारीरिक विकास के लिए स्कूलों में खेल मैदान का होना अनिवार्य है। लेकिन वर्षों से चल रही स्कूलों में आज भी खेल मैदान उपलब्ध नहीं है। गौरतलब है कि निजी स्कूल विद्यार्थियों से मनमानी फीस वसूलते हैं। जिनमें भवन निर्माण से लेकर अलग-अलग सुविधाओं के नाम पर फीस ली जाती है। बावजूद निजी स्कूलों द्वारा अनिवार्य संरचना के विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किराए के भवन में चल रहे कई स्कूल जरूरी संरचना तक नहीं किराए के बिल्डिंगों में चल रहे कई निजी स्कूलों में न तो प्रसाधन की उचित सुविधा है और न ही बैठने की समुचित व्यवस्था एक ही कमरे में कई कक्षाएं लगाई जाती है। जानकारी के अनुसार स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग प्रसाधनों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। साथ ही निशक्त छात्र-छात्राओं के लिए वेस्टन सीट टॉयलेट होना चाहिए। जानकारी के अनुसार कई स्कूलों में पीने के पानी की भी समुचित व्यवस्था तक नहीं है

और इसके लिए भी विद्यार्थियों को भटकना पड़ता है। निशक्त छात्रों के लिए स्कूल में रैम्प बनी होना चाहिए स्कूल जितने मंजिल का हो उतनी मंजिल तक रैम्प बनाया जाना अनिवार्य है। कई निजी स्कूलों में अग्निशामक यंत्र तक नहीं है। सभी निजी विद्यालयों के हर फ्लोर पर अग्निशामक यंत्र लगी रहनी चाहिए। समुचित मार्ग का होना भी अति आवश्यक है, ताकि किसी भी मामले में आग लगने पर अग्निशामक वाहन जहां पहुंच सके।

अप्रशिक्षित शिक्षक ले रहे हैं बच्चों की कक्षाएं

निजी स्कूलों में अप्रशिक्षित शिक्षकों से भी अध्यापन काम कराए जाने की बात सामने आई है। प्राथमिक स्तर के स्कूलों में नियुक्ति की न्यूनतम कि योग्यता सीमा 12 वीं और डीएड उत्तीर्ण होना है। वहीं उच्च कक्षाओ के लिए घातक व हो के साथ ही बीएड अथवा डीएड की परीक्षा उतीर्ण होना आवश्यक है, लेकिन नियमों को अनदेखी करते हुए अप्रशिक्षितों से ही कई निजी स्कूलों में पढ़ाई कराया जा रहा है। प्रायवेट स्कूलों की भूमि संबंधी जांच रिपोर्ट संस्का अपना भूमि, शिक्षक प्रशिक्षित है या नाही, पुस्तकालय की समुचित व्यवस्था, पोल का मैदान है या नाही।

पब्लिकेशन पर कसे शिकांजा तो मिले राहत -

हजारों रुपए सालाना महंगी फीस वसूलने के बाद भी निजी स्कूल संचालक किताबों पर भी कमीशन की खाते है, इसमें प्राइवेट स्कूल संचालकों एवं निजी प्रकाशक की सांठगांठ है। दरअसल निजी स्कूल संचालको को लाभ पहुंचने निजी प्रकाशन किताबों की लागत से तीन गुना अधिक रेट प्रिंट कर रहे हैं। अगर पुस्तक की लागत का मूल्यांकन कर निजी पब्लिकेशन पर अंकुश लगे तभी कमीशन खोरी की दुकानो पर ताला लग सकता है।

निजी स्कूल संचालक कमा रहे 40 से 60 प्रतिशत कमीशन

दुकानदारों का कहना है कि हमें सिर्फ 5 प्रतिशत मिलता है, उसमे भी से रही फजीहत प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को निजी प्रकारों की मंहगी किताबें बिना पक्के बिल के सादी पर्चियों पर लेने को मजबूर है, बेचने वाले दुकानदारों से किताबों के साथ में कॉपी व स्टेशनरी साथ लेने को मजबूर करते हैं। अगर बुक सेलर्स पर छापामार कार्रवाई हो तो शहर में हड़कंप मच जायेगा। सूत्रों की माने तो बुक सेलर्स का खुद कहना है कि निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें चलाने के एवज में निजी स्कूल संचालकों को तो 40 से 60 प्रतिषत कमीशन देना पडती है।

फीस लेने के क्या है नियम

इन मदों में ले सकते हैं फीस डिवेलपमेंट, स्पोर्ट्स, सास, स्टंग रेस, पंखे, निर्धन शुल्क, जलपान, लायब्रेरी ऑडियो विडियो, आर्ट, मैगजीन, प्रगति पत्र, रि-ऐडमिशन, स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन, लेटफीस, अनुशासन तोड़ने पर फाइन एग्जाम, बोर्ड रजिस्ट्रेशन, बोर्ड फीस, सेना दिवस और शिक्षक दिवस मिल है। फीस लेने के लिए सो को यह स्पष्ट करना जरूरी है कि स्कूल में यह सुविधा उपलब्ध है और गुणक्ता के अनुसार है। इसका मतलब है कि यदि किसी स्कूल में स्विमिंग पूल पांचवी क्लास से बड़े बच्चों के लिए है तो वह इससे निचली क्लास के बच्चों से इसकी फीस नहीं ले सकता। साथ ही डिवेलपमेंट चार्ज में यह बताना होगा कि स्कूल ने इस कर्ज को लेने के लिए क्या नई सुविधा मौजूदा सत्र में उपलब्ध करवाई है।

स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित नियम

- बस में फर्स्ट एड बॉक्स होना चाहिए।
- बस के सीटों पर छड़ की रेलिंग लगी हो।
- अटेंडेंट यानि चालक के पास ड्रायविंग लाइसेंस, आईकार्ड और वाहन के कागजात होने चाहिए।
- विद्यालय की ओर से बस संचालन क लिए प्रदत्त प्रमाण पत्र हो ।
- यदि स्कूल की निजी बस हो तो पीले रंग में होनी चाहिए।
- वाहन पर विद्यालय या इसके प्रबंधक का पता और दूरभाष नंबर होना चाहिए।
- फिटनेस प्रमाण पत्र होना चाहिए।
- स्कूलों के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन -
- बसों के आगे और पीछे स्कूल बस लिखा जाए।
- लीज की बसों में आगे-पीछे विद्यालीय सेवा (ऑन स्कूल ड्यूटी) लिखें।
- बसों में निर्धारित सीटो से ज्यादा बच्चे न बैठे।
- बस में फर्स्ट एड बॉक्स अनिवार्य रूप से हो।
- बसों की खिड़कियों में डबल आड़ी ग्रिल लगी हो।
- आग बुझने वाले उपकरण मौजूद हो।
- बस के ड्रायवर को बड़े वाहन चलाने का कम से कम पांच साल का अनुभव हो।
- स्कूल बस में ड्रायवर के अलावा एक अन्टी व्यापक व्यक्ति (स्कूल का शिक्षक) होना चाहिए।
- बच्चों के बैग रखने के लिए सीट के नीचे जगह होनी चाहिए।

मेट्रो एंकर | पंचायत बादेर में सरपंच-सचिव के द्वारा किया जा रहा है भ्रष्टाचार

हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं जिम्मेदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी हैं मौन फिर कार्यवाही करेगा कौन!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत नटेरन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की नाक के नीचे ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव फर्जी बाड़ा कर के फिजूल खर्ची कर रहे हैं, ग्राम पंचायत को सरकार से विकास कार्यों पर खर्च करने हेतु विभिन्न मदों से लाखों रुपये दिया जाता है। ताकि ग्राम पंचायतों का विकास हो एवं व्याप्त मूलभूत समास्याओं का समाधान हो और ग्राम वासियों को मूलभूत समास्याओं का सामना नहीं कर पड़े,

लेकिन सरपंच अपने सगे संबंधियों को और सचिव अपने पुत्रों के नाम पर विक्रेता आई डी बना कर उनके खातों में हजारों रुपये का भुगतान कर रहे हैं। ग्राम पंचायत बाड़ेर के सरपंच और सचिव के द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम पंचायत बाढेर की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था,

इसके बावजूद भी जनपद पंचायत में बैठे हुऐ जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिस से सचिव,सरपंच के हौसले बुलंद हुऐ जिससे भ्रष्टाचार भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिल रहा है, शासन प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों शासन की महत्वपूर्ण योजना लाडली बहना के क्रियान्वयन में किसी तरह की कोई परेशानी ना आये और बिना किसी परेशानी के योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो इस के लिये लैपटॉप प्रिंटर आदि खरीदने के विशेष आदेश जारी किये गये थे, जिसमें शासन द्वारा अपने आदेश में ग्राम पंचायतों को विशेष तौर पर लिखा गया था। कि वह लैपटॉप और प्रिंटर की खरीदी केवल जैम पोर्टल से की करें। जिससे कि क्रय विक्रय में होने वाले भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जा सके लेकिन कमीशन खोरी के चक्कर में ग्राम पंचायत द्वारा हजारों रुपये की खरीदी लोकल लोकल के दुकान दरों से की गई।

वहीं दूसरी तरफ सचिव ने सरपंच के साथ मिलकर विक्रेता आई डी-2708648 विक्रेता का नाम बेव काम कम्प्यूटर्स दिनांक 15-3-2024, 27700,दिनांक 10-4-2023,46500, 4500,1200, 28-3-2023, 1200,4500, 46500, का भुगतान किया गया है। वहीं दूसरी तरफ इ बेब काम कम्प्यूटर्स से ग्राम पंचायत बाढेर द्वारा दिनांक 15-3-2024,को ज्ञान सिंह 1467200,एवं रंधीर सिंह मीणा को 960000 का भूसा भी खरीदा गया है। और सचिव ने अपने पुत्र विक्रेता आई डी 2688929 अनिल कुशवाहा सातपाड़ा हाट एवं विक्रेता आई डी 2606805 विक्रेता आशीष कुशवाहा ग्राम लखार के खाते में हजारों रुपये का भुगतान किया है।

टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रन से हरा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान से टॉप की लड़ाई जीत ली है. उसने ग्रुप सी के आखिरी मैच में अफगानिस्तान को 104 रनों से हराया. वेस्टइंडीज व अफगानिस्तान पहले से ही सुपर-8 में पहुंच चुके हैं. वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के मैच के नतीजे के साथ ही 20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप स्टेज का अंत हो गया. ग्रुप स्टेज के इस आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रनों के बड़े अंतर से हराया. और, इसी के साथ उसने भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका वाला कमाल किया. वेस्टइंडीज की अफगानिस्तान पर जीत से ये भी तय हो गया कि अब वो अपने ग्रुप सी में टॉप की टीम रहेगी. सुपर-8 से ठीक पहले इस बड़ी जीत से कैरेबियाई टीम का मनोबल भी हाई होगा.

मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन बनाए थे, जो कि टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का तो अब तक का सबसे बड़ा स्कोर था ही. इस टूर्नामेंट के इतिहास में वेस्टइंडीज का भी बनाया सबसे बड़ा स्कोर था. वेस्टइंडीज को इस स्कोर तक ले जाने में निकोलस पूरन के मचाए तूफान की अहम भूमिका रही, जिन्होंने सिर्फ 53 गेंदों में 98 रन बनाए. 184 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में उन्होंने 8 छक्के और 6 चौके मारे. 98 रन निकोलस पूरन के टी 20 इंटरनेशनल करियर का सबसे बड़ा स्कोर रहा.

वेस्टइंडीज के खिलाफ अलग अफगानिस्तान का खेल, गई हार

अब अफगानिस्तान के सामने जीत के लिअ 219 रन का लक्ष्य था. लेकिन, राशिद खान की पूरी टीम सिर्फ 114 रन बनाकर आउट हो गई. इस तरह वो लक्ष्य से 104 रन दूर रह गए. वेस्टइंडीज की ओर से ओबेड मैकॉय सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए. वेस्टइंडीज के खिलाफ अफगानिस्तान का खेल देखकर लगा ही नहीं कि 114 रन पर ढेर होने वाली ये वही टीम है, जिसने इससे पहले खेले 3 मैचों में अपने विरोधी को 100 रन भी नहीं बनाने दिए थे और ञ्20 वर्ल्ड कप के लगातार 3 मैचों में ऐसा करने वाली ये पहली टीम बनी थी. बहरहाल, अब आप सोच रहे होंगे कि वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को हराकर भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका वाला कमाल कैसे किया? तो ऐसा उसने ग्रुप स्टेज पर अजेय रहते हुए किया है. दरअसल, जैसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका अपने-अपने ग्रुप में सभी 4 में से 4 मैच जीतते हुए टॉप पर रहे हैं, ठीक वैसी ही उपलब्धि के साथ वेस्टइंडीज ने भी सुपर-8 में कदम रखा है.

ऊंची दुकान, फीके पकवान अमेरिका की पिच पर उपजे सवाल

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आईपीएल 2024 के ठीक बाद टी 20 वर्ल्ड कप खेला जा रहा है, लेकिन इसका अंदाज इतना फीका है कि क्रिकेट के चाहने वालों को कुछ मजा ही नहीं आ रहा है। दरअसल टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन इस बार अमेरिका और वेस्टइंडीज के मैदानों पर संयुक्त रूप से किया जा रहा है। लीग राउंड के 40 मैचों को दोनों देशों में खेल जाना था।अब वर्ल्ड कप के सुपर-8 राउंड के लिए सभी 8 टीमें तय हो गयी हैं। उठा-पटक के लीग चरण में आईसीसी रैंकिंग की तीन टीमें (न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान) वर्ल्ड कप की रेस में फिसड्डी साबित हुई हैं। इस दौड़ में अफगानिस्तान,बांग्लादेश और मौजूद वर्ल्ड कप की मेजबान टीम अमेरिका ने बाजी मार ली है। संयुक्त राज्य अमेरिका की सरजमीं पर इस टी20 वर्ल्ड कप के सभी मैच एक समान अंदाज में खेले गये। मतलब या तो मैच लो स्कोरिंग ही रहा , या फिर बारिश ने मैच होने ही नहीं दिया।ऑस्ट्रेलिया से आयात की गई ड्राप इन पिचों पर गेंदबाजों की बल्ले बल्ले रही जबकि विश्व क्रिकेट के बड़े से बड़े बल्लेबाज इन पिचों पर भीगी बिल्ली साबित हुए। सच तो यह है किआमने सामने टीम कोई भी रही हो लेकिन अमेरिका में हुए मैचों में मात्र गेंदबाजों का ही बोलबाला रहा है। बल्लेबाजों के लिहाज से ड्रॉप इन पिचों के बर्ताव का साथ वहां के मैदानों के स्लो आउटफील्ड ने बखूबी साथ दिया। अच्छे से अच्छे शॉट के लिए भी गेंद को सीमा रेखा तक भेजना बल्लेबाजों के लिए टेढ़ी खीर नजर आ रही थी।लेकिन मजेदार बात यह है अमेरिका की कि पिच या मैदानों को लेकर आईसीसी की तरफ से एक भी अधिकृत बयान नहीं आया।मतलब एकदम साफ है कि वर्ल्ड कप के तय मापदंडों में फिलहाल अमेरिकी मैदान व पिचें शत प्रतिशत सही मापी गयी हैं।इस मापदंड से ऐसा लगता है कि आईसीसी यानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी 20 क्रिकेट के लिए नये बाड़ार तलाश रहा है। इसी वजह से 2024 टी 20 वर्ल्ड कप की मेजबानी वेस्टइंडीज के साथ अमेरिका को भी करने का मौका दिया गया है। भले ही 2024 टी 20 वर्ल्ड के असल राउंड मतलब सुपर 8 के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज की जमीन पर खेले जाने हैं। सुपर 8 राउंड में पहुंची कुछ टीमें भले ही कोई कमाल न कर सकें, लेकिन इन टीमों को 2026 वर्ल्ड कप का डायरेक्ट टिकट मिल गया है। अब हम यह भी कह सकते हैं कि 2026 तक क्रिकेट की लोकप्रियता अमेरिका में भी दिखना तय है। आने वाले समय मे कई देशों के साथ अमेरिका की द्विपक्षीय सीरीज भी देखने मिलेंगी। भले ही अमेरिका की टीम में वहां के असल मूल के खिलाड़ियों की हिस्सेदारी कम हो लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि क्रिकेट के बाजार के लिहाज से ये देश आने वाले समय मे हॉट स्पॉट बन सकता है। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका टी20 वर्ल्ड कप में उजागर हुई खामियों से सबक लेकर क्रिकेट के रोमांच को बरकरार रखने के लिए क्या और कितना सुधार करता है,क्योंक यह सभी जानते हैं कि विश्व में क्रिकेट की लोकप्रियता ने व्यावसायिक तौर पर इसे बतौर बेहद वृहद उद्योग स्थापित कर दिया है। अब वेस्टइंडीज में ही टी 20 वर्ल्ड कप के बचे हुए सभी मैच खेले जायेंगे।मेरे नजरिए में मौजूदा वर्ल्ड कप का असल रोमांचक दौर यही रहने वाला है। भले ही आयोजन के मामले में अमेरिका ऊंची दुकान फीके पकवान साबित हुई हो लेकिन वेस्टइंडीज की विदेशी सरजमीं पर टीम के खिलाड़ी क्या गुल खिलाते है,मौजूदा सुपर 8 राउंड का सबसे दिलचस्प पहलू रहने वाला है।

मेट्रो बाजार

भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा अडाणी-ग्रुप

नईदिल्ली, एजेंसी

अडाणी ग्रुप भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भूटान में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की। इसको लेकर गौतम अडाणी ने सोशल मीडिया साइट ङ्ग पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भूटान के माननीय प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित हाइड्रो प्लांट के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने आगे लिखा कि यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं। भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। गौतम अडाणी ने भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी मुलाकात की। उन्होंने सोशल

मीडिया साइट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि भूटान के महामहिम राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। भूटान के लिए उनके दृष्टिकोण और गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी ईको फ्रेंडली मास्टरप्लान से प्रेरित हूं, जिसमें बड़े कंप्यूटिंग सेंटर और डेटा सुविधाएं शामिल हैं।

जोमैटो ने पेटीएम के साथ मूवी टिकटिंग को लेकर चर्चा

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो फिनटेक फर्म पेटीएम का मूवी टिकटिंग सर्विस और इवेंट बिजनेस खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। दोनों कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में यह बात कंफर्म की है। जोमैटो ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा- हम पेटीएम के मूवीज और टिकटिंग बिजनेस को खरीदने के लिए चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, अभी कोई बाइंडिंग डिसीजन नहीं लिया गया है। इसके लिए बोर्ड की मंजूरी लेनी पड़ेगी। वहीं, पेटीएम ने जोमैटो का नाम लिए बिना कंफर्म किया कि दोनों कंपनियों के बीच बात हो रही है। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट में खबर आई थी कि पेटीएम के मूवी टिकटिंग सर्विस और इवेंट बिजनेस को जोमैटो खरीदने जा रही है। जोमैटो को इस डील के लिए पेटीएम को 1,500 करोड़ रुपए दे सकती है। हालांकि, एक्सचेंज फाइलिंग में डील के अमाउंट का जिक्र नहीं है।

ग्रुप-बी - अल्बेनिया को 2-1 से हराया, इटली ने लगातार 10वें मैच में जीत हासिल की

स्पेन का दबदबा: मैच में दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की

बर्लिन, एजेंसी

तीन बार की पूर्व चैंपियन स्पेन ने शनिवार देर रात जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यूरो कप 2024 में जीत से आगाज करते हुए ग्रुप-बी मैच में क्रोएशिया को 3-0 से शिकस्त दी। यह स्पेनिश टीम की यूरो कप के इतिहास के अपने पहले मुकाबले में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, स्पेनिश टीम ने यूरो कप 2008 में रूस के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल की थी। स्पेनिश टीम के लिए अल्वारो मोराटा (29वें), फेबियन रुइज (32वें) और दानी कार्वजल (45वें) ने एक-एक गोल दागा और पहले ही हाफ में टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। क्रोएशिया को किसी मेजर टूर्नामेंट (विश्व कप, यूरो कप) में संयुक्त सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले क्रोएशियाई टीम को 1996 यूरो कप में पुर्तगाल के खिलाफ और 2022 फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना के खिलाफ 0-3 से हार मिली थी।

तीरंदाजी प्रतियोगिता

दीपिका पहले राउंड में बाहर, अंकिता व भजन अंतिम-16 में

अंताल्या. एजेंसी

शीर्ष भारतीय महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी यहां खेले जा रहे पेरिस ओलंपिक 2024 के आखिरी क्वालीफायर के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गई। दीपिका को अजरबैजान की यायलागुल रमाजानोव ने शिकस्त दी। हालांकि अंकिता भगत और भजन कौर ने व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। दोनों तीरंदाज ओलंपिक कोटा

हासिल करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। भारत को तीरंदाजी में अभी तक सिर्फ एक कोटा पुरुष वर्ग में धीरज ने दिलाया है।

अगले महीने गंभीर के नाम की घोषणा संभव

पूर्व बल्लेबाज का भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनना तय

नईदिल्ली. एजेंसी

पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर का भारतीय क्रिकेट टीम का नया कोच बनना लगभग तय हो गया है। एक रिपोर्ट के तहत बीसीसीआइ और गंभीर के बीच बातचीत फाइनल हो गई है। इसके तहत, बीसीसीआइ इस महीने के अंत या अगले महीने की शुरुआत में गंभीर के नाम की घोषणा कर सकती है। दरअसल, वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आइसीसी टी-20 विश्व कप के बाद समाप्त होने जा रहा है। रिपोर्ट की माने तो गौतम गंभीर ने बीसीसीआइ के सामने अपना कोचिंग स्टाफ लाने की शर्त रखी है। बोर्ड ने उनकी मांग मान ली है। इसके तहत, राहुल द्रविड़ के जाने के साथ ही पूरा कोचिंग स्टाफ भी बदल दिया जाएगा। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को बीसीसीआइ से अभी सालाना करीब 10 करोड़ रुपए वेतन मिलता है। लेकिन गंभीर का वेतन करीब 12 करोड़ रुपए होगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

• आमिर की फिल्म की वजह से टली डेट

अगले साल रिलीज होगी अक्षय की 'वेलकम 3'

फिल्म में आमिर के साथ जेनेलिया डिसूजा दिखेंगी। जेनेलिया डिसूजा का भी अहम किरदार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक शिक्षक और दिव्यांग स्टूडेंट की लाइफ जर्नी पर बेस्ड है..

फिल्म वेलकम 3 (वेलकम टू द जंगल) इस साल के अंत में रिलीज नहीं होगी। नई रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देखी। फिल्म पहले 20 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। वहीं, दूसरी तरफ फिल्म चसितारे जमीं परज की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म इसी साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स का दावा है कि फिल्म सितारे जमीं पर के साथ क्लैश से बचने के लिए फिल्म वेलकम 3 की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। बता दें, फिल्म सितारे जमीं पर में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा को देखा जाएगा।
वहीं फिल्म वेलकम 3 में अक्षय कुमार, सुनील शेट्?टी, अरशद वारसी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलप?, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पाटनी जैसे कलाकार नजर आएंगे।
फिल्म वेलकम 3 से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा करते हुए कहा- फिल्म वेलकम 3 को बड़े पैमाने पर शूट किया गया है। फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल मई में ही पूरा हो गया था। हालांकि, फिल्म में ङ्कस्नङ्ग का भी इस्तेमाल किया गया है, जिस पर काम होना अभी बाकी है। ऐसे में फिल्म को इसी साल के 20 दिसंबर में रिलीज करना मुमकिन नहीं है। रिलीज डेट में बदलाव का यह भी कारण है कि दिसंबर 2024 में आमिर खान की फिल्म सितारे जमीं पर रिलीज होने वाली है। वेलकम 3 से पहले वेलकम सीरीज की दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। पहली फिल्म वेलकम 2007 में और दूसरी फिल्म वेलकम बैक 2015 में रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्मों को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट और फिरोज नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया था। अब वेलकम 3 को 'बागी 2' और 'बागी 3' फेम डायरेक्टर अहमद खान डायरेक्ट करेंगे। कहानी फरहाद सामजी ने लिखी है। आमिर खान स्टारर फिल्म चसितारे जमीं परज की शूटिंग खत्म हो गई है। इस बात की जानकारी फिल्म के डायरेक्टर आरएस प्रसन्ना ने पोस्ट शेयर कर दी है।

• स्वरा भास्कर को नहीं मिल रहा फिल्मों में काम-बोलीं-

बेबाकी के चलते फिल्ममेकर्स साइडलाइन करते हैं, पति ने कहा- अब तो एक्टिंग करो

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अपनी बेबाकी के चलते सुर्खियों में रहती हैं। वो किसी भी विवादित मुद्दे पर अपनी राय देने से नहीं हिचकिचाती हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि ऐसा करने की वजह से उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिल रहा है। उन्हें फिल्ममेकर्स और इंडस्ट्री के लोग साइडलाइन करते हैं। स्वरा ने कहा, मैं विक्टिम की तरह ये सब नहीं कहना चाहती। मैंने खुद अपने लिए ये रास्ता चुना है। मैंने फैसला किया था कि मैं हर मुद्दे पर अपनी राय रखूंगी। मैं चाहती तो चुप रहने का भी रास्ता चुन सकती थी। मुझे कोई ओपन लेटर लिखने की जरूरत नहीं थी और न ही फिल्म चप्झावतज के जौहर सीन पर आपत्ति दर्ज करवाने की जरूरत थी। आप मुझसे कई सारी शिकायतें कर सकते हैं। आप मुझे नापसंद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जो लोग मुझसे नफरत करते हैं वो भी ये नहीं कह सकते कि मैं झूठी या फेक हूं। मेरी राय अलग-अलग लोगों के सामने भी बदलती नहीं है। मैं सबके सामने एक जैसी ही हूं। अगर मैं ये सब नहीं कहती तो घुट-घुटकर मर जाती। स्वरा ने आगे कहा, अपनी बेबाकी का मुझे खामियाजा भी भुगतना पड़ा। बेटी राबिया के जन्म से पहले एक्टिंग मेरे लिए मेरा सबसे बड़ा पैशन और प्यार था। मुझे एक्टिंग से प्यार था। मैं कई रोल्स और एक्टिंग असाइनमेंट्स करना चाहती थी लेकिन मुझे उतने मौके नहीं मिले जितने मैं चाहती थी। मुझे विवादित एक्ट्रेस का टैग दिया गया। डायरेक्टर, प्रोड्यूसर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स मेरे बारे में गलत बातें बोलने लगे। आपकी एक इमेज बन जाती है। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैंने इसके बीच जीना सीख लिया है लेकिन मुझे एक बात बहुत दुखी करती है और वो ये है कि इसकी वजह से मुझे एक्टिंग करने को नहीं मिल रही। स्वरा ने पति फहाद अहमद से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए कहा, मेरी पिछली फिल्म जहां चार यार की स्क्रीनिंग पर फहाद भी गए थे। वो फिल्म बहुत ज्यादा चली नहीं थी पर मैंने बहुत मेहनत की थी। स्क्रीनिंग के बाद फहाद मेरे पास आए और कहा, तुमने सच में बहुत बड़ा सैक्रिफाइज किया है मानना पड़ेगा। तुम इतनी अच्छी एक्ट्रेस हो। तुम्हें और काम करना चाहिए था। अब तुम चुप हो जाओ और फिल्में करो। स्वरा ने 2023 में समाजवादी पार्टी के नेता फहाद अहमद से शादी की थी। स्वरा ने एक बेटी को जन्म दिया था जिसका नाम राबिया है। शादी के बाद से ही स्वरा फिल्मों से दूर हैं और बेटी की परवरिश में बिजी हैं।

• बुरे वक्त में सारा के साथ खड़ी थीं शर्मिला टैगोर

सारा बोलीं- मेरी दादी मॉडर्न हैं, वो मुझे लड़कों के मामले में एडवाइज देती हैं...

सारा अली खान अपनी दादी और वेटरन एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर को मॉर्डन बताती हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उनकी दादी की सोच आज भी मॉर्डन है और वो उन्हें लड़कों के मामले में बेस्ट एडवाइज देती हैं। फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में सारा ने दादी के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए बताया कि कैसे उनके बुरे वक्त में शर्मिला ने उन्हें संभाला था। अपनी दादी की पर्सनैलिटी से इंप्रेस्ड सारा कहती हैं 'जब भी मैं कमजोर महसूस करती हूं तब मैं अपनी बड़ी अम्मा के पास जाती हूं। उनसे मुझे हिम्मत मिलती है। वे हमारे पूरे परिवार की आवाज है। साल 2020 में जब मैं अपनी लाइफ के मुश्किल वक्त से गुजर रही थी तब मेरे पिता (सैफ अली खान) मेरे साथ बंदूक ताने खड़े थे। उस वक्त दादी ने मेरा, मेरी मां और मेरे भाई का स्टैंड लिया था। वो पिता के साथ भी खड़ी हुई थीं।' सारा ने आगे कहा, 'दादी मुझे जमीन से जुड़ा रखती हैं। ल?कों का मामला हो, फिल्में हों या फिर सोशल लाइफ, वो हमेशा सबसे अच्छी एडवाइज देती हैं। वो चैंपियन हैं।'

'मुझे ट्रोलिंग से जरा भी परेशानी नहीं होती'

सोशल मीडिया पर ट्रोल किए जाने पर बात करते हुए सारा ने कहा, 'मेरा मानना है जैसे ही किसी को मौका मिलता है वह आपको नीचे खींचने की कोशिश करने लग जाता है। सोशल मीडिया पर यह सबसे ज्यादा होता है, लेकिन आप यकीन मानिए मुझे ट्रोलिंग से जरा भी परेशानी नहीं होती। मैं मानती हूं जो हो रहा है उससे भी बुरा कुछ हो सकता है, इसलिए किसी भी हालात में परेशान नहीं होना चाहिए। एक और अहम बात जो मैं मानती हूं कि अगर आप एक्टर हैं और आपके बारे में कोई बात ही नहीं हो रही है तो आपका वजूद ही खत्म हो चुका है। मैं यह सोचती हूं कि आप कुछ हैं तभी तो आपके बारे में बातें की जा रही हैं।'

बजरिया, बिलिखिरिया और अवधपुरी में मकान मालिक की मौजूदगी में घर से हुई लाखों रुपए की चोरी

सावधान! आपकी मौजूदगी के बाद भी हो सकती है घर से चोरी की वारदात!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में एक से अधिक नकबजन गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह अलग अलग तरह की वारदात कर रहा है। कुछ वारदातों में ०चड्ढी बनियान गिरोह तो कुछ में नकाबपोश गिरोह नजर आ रहा है। इसके अलावा अन्य नकबजन गिरोह तो लगातार वारदात कर रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि राजधानी में एक गिरोह ऐसा भी है जो आपकी मौजूदगी में आप के घर से लाखों का माल पार कर देता है और आपको भनक तक नहीं पाती। ऐसे ही तीन मामले में गत एक सप्ताह के भीतर राजधानी में देखने को मिले हैं। गिरोह ने क्रमश- स्टेशन बजरिया, बिलखिरिया और अवधपुरी में तीन वारदात मकान मालिक की मौजूदगी में की। इन तीनों वारदातों में एक भी वारदात का पुलिस अब तक खुलासा नहीं कर सकी है।

मामला नंबर - 1

स्टेशन बजरिया पुलिस के अनुसार 28 साल के नीरज लोधी, करारिया फार्म स्टेशन बजरिया इलाके में रहते हैं और सेंट्रिंग का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा माता-पिता रहते हैं। नीरज ने करारिया फार्म में नया मकान बनाया है। मकान के खिड़कियों पर ग्रिल और दरवाजे लगे हुए हैं। शुक्रवार रात नीरज ने परिवार के साथ खाना खाया और सभी लोग रात 11 से 12 बजे के बीच सो गए थे। सुबह करीब पांच बजे नीरज की नींद खुली तो घर के सभी दरवाजा खुले हुए थे और पत्नी समेत माता पिता गहरी नींद में थे। नीरज ने सभी को उठाया और घटना की जानकारी दी। परिवार ने उठकर देखा तो दूसरे कमरे में रखी लोहे की अलमारी खुली पड़ी थी। आलमारी का लाकर भी खुला था। अलमारी व लाकर की चाबियां अलमारी के पास ही नीचे पड़ी थी। लॉकर चेक करने पर उसमें रखे पुराने इस्तेमाली जेवर नहीं थे। नकबजन लॉकर में रखे दो मंगल सूत्र, एक हार, एक चांदी की करदोनी, 3 जोड़ चांदी की पायल, चांदी की बिछिया और ड्रेसिंग टेबल पर रखा नीरज की पत्नी का मोबाइल लेकर गए हैं।

मामला नंबर - 2

बिलखिरिया पुलिस के अनुसार 44 साल के सरोज कुमार डी-10, प्रभातम हाइट कॉलोनी, बिलखिरिया में रहते हैं। सेना से रिटायर्ड सरोज कुमार रिजर्व बैंक ऑफ इडिया में क्लर्क हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका तीन मंजिला मकान है। तीसरी मंजिल पर किराए से इंजीनियरिंग के छात्र रहते हैं। दूसरी मंजिल पर वह परिवार के साथ रहते हैं, जबकि ग्राउंड फ्लोर पर घर का सामान रखा हुआ है। सरोज कुमार ने बताया कि शनिवार रात वह परिवार के साथ राक करीब साड़े दस बजे के आसपास दूसरी मंजिल पर स्थित बेडरूम में सो गए थे। सुबह ऊपर रहने वाले छात्रों ने बताया कि मकान का गेट बाहर से बंद है। सरोज कुमार ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे उन्हें सारा सामान बिखरा पड़ा नजर आया। सरोज कुमार ने बताया कि नीचे एक लकड़ी की कवर्ड रखी है उसकी कवर्ड में वह पैसे सेविंग कर रखते थे। बदमाशों ने उक्त पैसे चुरा लिए और एक सोने की चेन एक अंगूठी समेत कान के टॉप्स भी लॉकर से चुराकर ले गए हैं। बदमाश उनके घर से नगदी जेवरात समेत पांच लाख रुपए का सामान चुराकर ले गए हैं।

मामला नंबर - 3

अवधपुरी पुलिस ने बताया कि मुताबिक मोहन सिंह लोधी मूलत- बाड़ी बरेली जिला रायसेन के रहने वाले हैं और पेटी कांट्रेक्टर हैं। फिलहाल वह परिवार के साथ अवधपुरी स्थित ग्लैक्सी सिटी में रहते हैं। लोधी काम इन दिनों इटारसी रेलवे स्टेशन पर चल रहा है। पिछले दिनों मोहन सिंह मूंग कटवाने के लिए अपने गांव बाड़ी चले गए थे। गुरुवार को वह एक लाख रुपए लेकर वापस लौटे और पत्नी को रखने के लिए दे दिए। पत्नी ने उक्त रुपए पूजा वाले कमरे में रखी अलमारी में रखकर बाहर से कुंदी लगा दी। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे मोहन ने कमरे के कुंदी खोलकर भीतर प्रवेश करना चाहा तो पता चला कि कमरा अंदर से बंद है। चेक करने के लिए वह कमरे के पीछे पहुंचे तो खिड़की की ग्रिल कटी हुई थी। घटना के समय परिवार घर में ही मौजूद था।

निर्माणाधीन मल्टी की चौथी मंजिल से गिरकर चार साल के मासूम की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर फेस टू में सोमवार दोपहर चौथी मंजिल से गिरकर चार साल के मासूम की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार मुकेश रैकवार मूलतः दमोह के रहने वाले हैं। वे मेहनत मजदूरी करती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके परिचित कुछ मजदूर भोपाल में मजदूरी करते हैं और शाहपुरा में भी एक परिचित परिवार के साथ रहकर काम करता है। उसी ने मुकेश को बताया था कि भोपाल में बहुत काम है। काम के साथ रुकने भी व्यवस्था हो जाएगी। मुकेश अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को ही दमोह से भोपाल पहुंचा था। वह रोहित नगर फेस टू में निर्माणाधीन मकान में काम करने वाले मजदूर से बातचीत करने लगा। दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास पत्नी और बच्चे ऊपर निर्माणाधीन मल्टी देखने के लिए पहुंच गए। चौथी मंजिल पर पहुंचने के बाद अमन छत किनारे पहुंचा और नीचे झांकते समय गिर गया। जब तक मां की नजर पड़ती वह नीचे गिर चुका था। उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे पास ही स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

बाइक की टक्कर से घायल सिक्योरिटी गार्ड की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर चौराहा पर सिक्योरिटी गार्ड को सड़क पार करते समय अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी। परिजन निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। इस दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस टक्कर मारने वाली बाइक के चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार भानपुर मल्टी निवासी 63 साल के मुन्ना कुरैशी गार्ड की नौकरी करते थे। 31 मई की रात साढ़े 9 बजे भानपुर चौराहा पर उन्हें सड़क पार करते समय अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में मुन्ना कुरैशी को गंभीर चोट आई थी। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

6 दिन बाद भी नहीं लगा हत्यारों का सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मृतक का मिला क्रिमिनल रिकार्ड, गुनगा पुलिस ने हत्यारों तक जल्द पहुंचने का किया दावा

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम धमर्रा और दिल्हौद के बीच सड़क किनारे जंगल में युवक की हत्या करने वाले हत्यारों का छह दिन बाद भी सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने मृतक के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि उसका क्रिमिनल रिकॉर्ड हैं। वह पूर्व में आबकारी एक्ट और चोरी की वारदात में पकड़ा जा चुका है। पुलिस उसका क्रिमिनल रिकार्ड खंगालने के बाद उससे मिलने-जुलने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने उसके मोबाइल की सीडीआर भी निकलवाई है। हालांकि पुलिस हत्या तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस की दलील है कि हत्याकांड में महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ग्राम चाकखेड़ा तहसील बैरसिया निवासी शेर सिंह उर्फ भूरा पिता नारायण सिंह (36) गुनगा में एक क्रशर पर काम करता था। वह प्रतिदिन बाइक से काम पर आता-जाता था। मंगलवार 11 जून को भी वह काम पर गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश करते रहे। बुधवार 12 जून की दोपहर करीब एक बजे परिजन को शेर सिंह का शव ग्राम धमर्रा और दिल्हौद के बीच जंगल किनारे पड़ा मिला। उस जगह प्लाटेंशन का काम चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंच गई थी। प्रथम दृष्ट्या मामला हत्या का नजर आने के कारण पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मृतक के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट के निशान मिले थे। अनुमान है कि उसके सिर में पीछे की तरफ किसी भारी डंडे अथवा पत्थर से हमला कर उसे मौत के घाट उतारा गया था।

बाइक सिखाने के बहाने बच्ची से किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस ने अपहरण और दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में दर्ज किया मामला, आरोपी गिरफ्तार

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में बारह साल दो महीने की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाला आरोपी उसे बाइक सिखाने का कहकर अपने साथ ले गया था और सुनसान में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जातिसूचक शब्द भी कहे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, पाक्सो एक्ट समेत एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अुनसार 12 साल 2 महीने की बच्ची बैरसिया इलाके के एक कस्बे में रहती हैं। उसके पड़ोस में रहने वाले आरोपी से उसकी पहचान थी। आरोपी का पीड़िता के घर आना-जाना भी था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर आरोपी उसे अपने साथ बाइक से ले गया था। वह कह रहाड़था कि बाइक चलाना सिखा देगा। पीड़िता उसकी बातों में आकर बाइक से उसके साथ चली गई। इसके बाद आरोपी उसे सुनसान में ले गया और डराते धमकाते हुए उसने बच्ची से दुष्कर्मड़किया। बच्ची ने उसका विरोध किया तो वह जातिसूचक शब्द कहते हुए धमकाने लगा था। आरोपी ने कहा था कि किसी को बताया तो जान से खत्म कर देगा। आरोपी ने घिनौना कृत्य करने के बाद आरोपी घर के पास छोड़ दिया था। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजन को दी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बीडीए कॉलोनी में काम करने पहुंचा मजदूर जामुन तोड़ते समय गिरा, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सलैया में बीडीए कॉलोनी में काम करने पहुंचे मजदूर की जामुन के पेड़ से गिरने के कारण मौत हो गई। हादसा सोमवार दोपहर करीब ड़ाई बजे के आसपास का है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। मंगलवार को मृतका का पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार लखन जाटव पिता मिट्ठुलाल जाटव (30) गांव बोरदा, कोलार में रहता था और मजदूरी करता था। उसका काम बीडीए कॉलोनी सलैया में चल रहा था। सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे वह खाना खाने की छुट्टी में अपने दो साथियों के साथ जामून के पेड़ से जामुन तोड़ रहा था। लखन पेड़ पर चड़कर जामुन तोड़ रहा था, तभी जामुन के पेड़ से नीचे गिर गया। इस हादसे में उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। साथी मजदूर उसे लेकर एम्स पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

ईश्वर नगर में उत्पात मचाने वालों का पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा इलाके में रविवार रात निगरानी बदमाश सूरज काले ने अपने 10-12 साथियों के साथ मिलकर जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने बाइक में डंडे से तोडफोड़ कर दी। इसके बाद रहवासियों को धमकाते हुए भाग निकले। आरोपियों की दहशतगर्दी का रहवासियों ने वीडियो बनाकर पुलिस को सौंपा। इसमें 10-12 बदमाश उपद्रव करते हुए दिख रहे हैं। वारदात के बाद बदमाश कलियासोत नदी में जाकर छिप गए। पुलिस ने देर रात 6 बदमाशों को घेराबंदी कर नदी से दबोच लिया। सोमवार को सभी आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला ताकि लोगों में आरोपियों का खौफ कम हो सके। पुलिस के मुताबिक, ईश्वर नगर निवासी दीपक ठाट प्राइवेट काम करता है। उसने बताया कि रविवार शाम उसका लक्ष्मण नगर निवासी मनीष विश्वकर्मा से पुरानी रंजिश को लेकर झुमाझटकी हो गई थी। इसके बाद हम दोनों अपने-अपने घर आ गए। रात करीब नौ बजे मनीष विश्वकर्मा मुंहबोले भाई निगरानी बदमाश सूरज काले समेत 10-12 लडकों को लेकर बसंत कुंज, आनडोर के पास उसके घर पहुंच आए। दीपक ने पुलिस को बताया कि सभी बदमाश मोटा डंडा लिए हुए थे। वह उसे घर से बाहर निकलने के ललकारने लगे। दीपक डर की वजह से बाहर नहीं निकला। तभी बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक में डंडे से तोडफोड़ कर दी। बाद में पैर से बाइक को धक्का मारकर गिरा दिया। इस दौरान सूरज काले धमकी देता रहा कि मनीष विश्वकर्मा भाई है। उस पर कोई आंख उठाया तो इलाका खत्म कर दूंगा। रहवासियों ने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। जब तक पुलिस पहुंचती आरोपी भाग खड़े हुए। पुलिस ने देर रात सूरज काले, मनीष विश्वकर्मा, हर्ष मेहरा, संजय गाडगे, अविनाश सिंह समेत छह बदमाशों को कलियासोत नदी से दबोच लिया। शाहपुरा पुलिस के मुताबिक, सूरज काले के खिलाफ हबीबगंज, शाहपुरा में 14 गंभीर अपराध पूर्व में दर्ज हैं। वह हबीबगंज इलाके में पूर्व में रहता था। वर्तमान में वह कोलार में रहने लगा है। वह बदमाशों की गैंग चलाता है।

मेट्रो एंकर — छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सेज गोल्डन सिटी की घटना

शराब पार्टी के बाद विवाद में युवक से की मारपीट, रात में सोया सुबह हो गई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सेज गोल्डन सिटी की निर्माणाधीन बिल्डिंग में मजदूरी करने वाले एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका रात में कुछ परिचितों से शराब के नशे में विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद उससे कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। रात में विवाद शांत होने के बाद मृतक सो गया था। सुबह उसकी नींद नहीं खुली। अस्पताल ले जाने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का मामला दर्ज करेगी। पुलिस के अनुसार बिहारी बागड़ी पिता तेज सिंह बागड़ी (45) गांव फजलपुर, थाना मुंगावली, अशोक नगर में रहता था। वह परिवार के साथ सेज गोल्डन सिटी की निर्माणाधीन मल्टी में मजदूरी कर रहा था और पास ही झुग्गी बनाकर रह रहा था। परिजन ने बताया कि गांव के अन्य रिश्तेदार और अलग अलग जगह से आए मजदूर यहां झुग्गी बनाकर रह रहे हैं और निर्माणाधीन मल्टी में काम करते हैं। ठेकेदार पंद्रह दिन में एक बार पैमेंट देता है। रविवार को ठेकेदार ने पैमेंट की थी। पैमेंट मिलने के बाद बिहारी बागड़ी ने रिश्तेदारों और परिवार के साथ पार्टी की। जमकर शराब पीकर और खाया। इसी बीच किसी बात को लेकर बिहारी का रिश्तेदारों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारपीट हुई और कुछ देर बाद विवाद शांत हो गया। सभी लोग अपनी अपनी झुग्गी में सो गए थे। सोमवार सुबह सभी लोग अपने अपने काम पर चले गए थे। परिजन को लगा कि बिहारी ने अधिक शराब पी हैं और वह देरी से सोकर उठेगा। लिहाजा वह भी काम पर चले गए थे। दोपहर में काम से लौटे तो पता चला कि बिहारी अब भी सोया हुआ है। उसे उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। इसके बाद उसे परिजन अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिहारी का शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया था। मंगलवार सुबह उसके शव का पीएम कराया गया। पुलिस का कहना है कि परिजन से पूछताछ की जा रही है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022